

HEAT WAVE ACTION PLAN 2025 BALOTRA



Control Room - 02988-294894
Email id- adm.balotra@rajasthan.gov.in

कार्यालय जिला कलक्टर, (आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा), बालोतरा

Email id: -adm.balotra.@rajasthan.gov.in

Contact no. 02988-294610

Address: Collectorate Office Balotra, Kher Road, Balotra. (344022)

क्रमांक:- प.3000/आ.प्र.सहा/हीटवेव/2025/ 493

दिनांक:- यथाहस्ताक्षर

प्रेषित

श्रीमान संयुक्त शासन सचिव,

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग,

जयपुर (राज.)

विषय :- हीट-वेव एक्शन प्लान भिजवाने बाबत।

प्रसंग:- आपके पत्रांक राजकाज रेन0 14444908 दिनांक 27.03.2025 के संदर्भ में।

उपरोक्त विषयान्तर्गत एवं प्रासंगिक पत्र के कम में वर्तमान में हीट-वेव से बचाव एवं रोकथाम हेतु हीट-वेव एक्शन प्लान चाहा गई है। लू-ताप से बचाव एवं रोकथाम के संबंध में समस्त विभागों के अधिकारियों की बैठक को आयोजित की गई एवं लू-ताप से बचाव के लिए किये गये सुरक्षात्मक उपाय की रागीक्षा की गई व जन साधारण को अवगत कराने हेतु विभागों को निर्देशित किया गया एवं नियमित रूप से उपायों व प्रबंधनों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है।

1. <u>जिला स्तर पर</u>	जिला आपदा प्रबंधन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग, बालोतरा द्वारा विभाग से प्राप्त हिट वेव एडवाइजरी को इस कार्यालय के पत्रांक 232 दिनांक 03.04.2025 द्वारा सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को हीट वेव 2025 हेतु आवश्यक कार्यवाही करने निर्देशित किया गया एवं उक्त एडवाइजरी को जिला सूचना एवं जन संपर्क विभाग को स्थानीय समाचार पत्र में प्रचार-प्रसार करने प्रेषित किया गया। समस्त उपखण्ड अधिकारियों एवं तहसीलदारों को बैठक में गर्मी के संबंध में पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य आदि के बारे में नियमित निरीक्षण की जाकर मोनिटरिंग करने के निर्देश प्रदान किये गए। समस्त उपखण्ड अधिकारियों एवं तहसीलदारों को सीएचसी/ पीएचसी एवं अस्पतालों में आवश्यक व्यवस्था आइस-पैक, प्राथमिक चिकित्सा एवं ओआरएस की उपलब्धता हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किये गए। जिला कलक्टर महोदय की अध्यक्षता में ली गई बैठक में हिट वेव 2025 के संबंध में प्रदत्त निर्देशों की पालना में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई जिसमें लू-ताप से बचाव एवं रोकथाम के संबंध में संबंधित निर्देश प्रदान किये गये। इसके अतिरिक्त इस कार्यालय द्वारा जिले के जिला स्तरीय अधिकारियों एवं गैर सामाजिक संस्थाओं, की बैठक ली जाकर संस्थाओं के माध्यम से भी चिन्हित स्थलों पर शीतल पेयजल, आश्रय स्थल, छाछ आदि की व्यवस्था की गई है।
2. <u>नगर परिषद /</u> <u>नगरपालिकायें</u>	बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, पर्यटन स्थलों, शहर के प्रमुख चौराहों छाया/टेन्ट की व्यवस्था की गयी है। नगर निगम द्वारा कैम्पर के माध्यम से स्वच्छ पीने के पानी की व्यवस्था की गयी है उपरोक्त चिन्हित स्थानों पर एक एक स्टाफ नियुक्त या जाकर ओआरएस की सुविधा भी प्रदान स्थानीय निकाय विभाग, जयपुर के आदेश की पालना में मुख्यमंत्री शहरी रोजगार योजना का समय सुबह 6.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक निर्धारित किया गया है।

कार्यालय जिला कलक्टर, (आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा), बालोतरा
Email id: - dm.blt.rj@rajasthan.gov.in

Address: Collectorate Office Balotra, Kher Road, Balotra. (344022)

Contact no. 02988-294610

क्रमांक:- प.3000आ.प्र.एवं सहायता/2025/ 224

दिनांक:- 3/04/25

प्रेषित :-

श्रीमान संयुक्त शासन सचिव,
आ.प्र.सहा. एवं ना. सुरक्षा विभाग,
राज. जयपुर।

विषय:- राज्य में हीट वेव प्रबंधन के लिए नोडल हीट अधिकारी नामित किए जाने हेतु।

प्रसंग:- श्रीमान का पत्रांक एफ1(2) आ.प्र.सहा./लू-ताप/2025/राजकाज सं. 14444916
दिनांक 28.03.2025 के क्रम में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत प्रासंगिक पत्र के संदर्भ में निवेदन है कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा हीट वेव प्रबंधन -2025 के लिए जिला स्तर से (एडीएम स्तरीय) नोडल अधिकारी की निर्धारित प्रारूप में सूचना चाही गई है। जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नामित कर निर्धारित प्रारूप में सूचना निम्नानुसार सादर प्रेषित है।

क्र. सं.	अधिकारी का नाम	पद नाम	मो. नंबर	टेलिफोन नंबर	ई-मेल
01	श्री डॉ. गुंजन सोनी	अति. जिला कलक्टर	9549111333	02988-249 600	ADM.BALOTRA@rajasthan.gov.in

(सुशील कुमार यादव)

जिला कलक्टर, बालोतरा

दिनांक:- 3/4/25

क्रमांक:- प.3000आ.प्र.एवं सहायता/2025/ 225-228

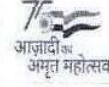
प्रतिलिपि :- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

01. अतिरिक्त जिला कलक्टर, बालोतरा।
02. जिला स्तरीय अधिकारी.....समस्त जिला बालोतरा।
03. ब्लॉक स्तरीय अधिकारीसमस्त जिला बालोतरा।
04. निजी सहायक जिला कलक्टर/अति. जिला कलक्टर बालोतरा।

जिला कलक्टर, बालोतरा

Document certified by SUSHIL KUMAR
<sushilyadav5857@gmail.com>.

Digitally Signed by SUSHIL
KUMAR
Designation : Collector & District
Magistrate
Date : 03-04-2025 12:47:26



राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला कलक्टर, (आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा), बालोतरा

Email Id: -adm.blr.rj@rajasthan.gov.in

Contact no. 02988-294610

Address: Collectorate Office Balotra, Kher Road, Balotra. (344022)

क्रमांक:- प.3000आ.प्र.एवं सहायता/हीट वेव/2025/ 214 दिनांक:- 21.04/25

प्रेषित :-

शासन सयुक्त सचिव

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग,
राज. जयपुर।

विषय- माननीय न्यायालय के प्रेरणा संज्ञान द्वारा हीटवेव की तैयारियों की अनुपालना रिपोर्ट भिजवाने बाबत।

सन्दर्भ- श्रीमान का पत्रांक राजकाज रेफरेंस नम्बर 14842817 दिनांक 21.04.2025

उपरोक्त विषयान्तर्गत माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर की एकल पीठ के IN RE: "Beat the Heatwave and Climate Change to Save the Life of Public at Large" में स्प्रेरणा संज्ञान दिनांक 17.04.2025 की पालना रिपोर्ट हेतु प्राप्त हुआ है।

माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय स्प्रेरणा संज्ञान के संदर्भित आदेश दिनांक 17.04.2024 की प्रति संलग्न कर निवेदन है कि बिन्दु संख्या 22 एवं 26 के संबंध में हीटवेव से बचाव एवं रोकथाम हेतु जारी दिशा-निर्देशों की पालना में कि गयी कार्यवाही सादर पेश है।

श्रीमान जिला कलक्टर महोदय, बालोतरा द्वारा हीटवेव से बचाव हेतु Advisory 2025 व IEC प्रेषित कर सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि उक्त एडवायजरी हीट वेव 2025 "गर्मी/लू-ताप की लहर (क्या करें और क्या न करें)" का आमजन में प्रचार प्रसार करें ताकि जिले में लू-ताप से जन हागि ना हो।

दिनांक 09.04.2025 को वी.सी के माध्यम से हीटवेव व ग्रीष्म अवधि के मध्यनजर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। अतः निर्देशित किया गया है कि हीटवेव व ग्रीष्म अवधि को देखते हुए निम्न निर्देशों की पालना सुनिश्चित करवाने के बारे निर्देशित किया गया:-

1. ग्राम पंचायतों में ग्रामीण परिवेश के लोगों का दैनिक दिनचर्या के कार्यों हेतु आना-जाना होता है। इसके मध्यनजर समस्त ग्राम विकास अधिकारियों को निर्देशित किया जावे कि ग्राम पंचायत में शीतल पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जावे साथ ही लू-तापघात के मध्यनजर एक ओआरएस का काउन्टर भी लगाया जाए व साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जावे कि परिवादी व अन्य व्यक्ति धूप में खड़े नहीं हो इस हेतु पृथक से टीनशेड व छायादार स्थान का प्रबंध किया जावे।

2. हीटवेव के मध्यनजर ब्लॉक स्तर पर नियंत्रण कक्ष की स्थापना को जायें से हेतु कार्मिकों की वक्रानुक्रम में ड्यूटी के आदेश विकास अधिकारियों को निर्देशित किया जावे। एवं नियंत्रण कक्ष आदेश सार्वजनिक कि

Signature valid

Digitally signed by Gauran Soni
Designation: Additional Collector
And Additional District Magistrate
Date: 2025.04.22 20:43:13 IST
Reason: Approved



3. प्रतिदिन कार्यालय समय में आमजन से मिलने का निश्चित समय प्रातः 10.00 बजे से 11.00 बजे रखा जावे, तथा बाकी समय भी सुविधानुसार आमजन की परिवेदनाएं प्राप्त कर राहत प्रदान करते निस्तारण किया जावे।
4. कार्यालय के प्रवेश द्वार पर अत्यधिक लू-तापघात को देखते हुए ओआरएस काउन्टर भी लगाया जाए।
5. जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के चिन्हित टाईप सी के गांवों का विकास अधिकारी समस्त स्वयं अपने-अपने क्षेत्र का भ्रमण करते हुए प्रतिदिन फोटो जिला स्तरीय ग्रुप में भिजवाते हुए आगामी तीन दिवस में अधोहस्ताक्षकर्ता को गांवों की वस्तुस्थिति से अवगत करावे।
6. महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत प्रत्येक कार्यस्थल पर पर्याप्त छाया/पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जायें।
7. हीटवेव व लू-तापघात से बचाव की जानकारी आई.ई.सी गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों तक पहुंचाने की व्यवस्था करावे साथ ही इसके लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगणों से आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जावे।
8. ग्रामीण क्षेत्रों में पक्षियों के परिण्डे बंधवाए लगवाये जाकर पानी से भरने की व्यवस्था करावे एवं पशुओं के लिए खेलियों में पानी की व्यवस्था क्षेत्र के मामाशाहों से आवश्यक सहयोग प्राप्त कर सुनिश्चित की जावे। इसके प्रोत्साहन हेतु ब्लॉक ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान संचालित किया जावे।
9. जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर ग्राम पंचायतों में आपूर्ति किये गये पानी टेकरों की सूचना प्रतिदिन समस्त ग्राम पंचायतों से प्राप्त कर संकलित सूचना प्रतिदिन भिजवाने हेतु संबंधित कार्मिक को पाबंद किया गया।
10. हीटवेव से क्षेत्र में आगजनी जैसी समस्याओं से तुरंत निपटने हेतु नजदीकी फायरब्रिगेड के नंबर सार्वजनिक स्थलों पर चस्पा किये गये जाये एवं प्रचार-प्रसार किया जावे साथ ही आकस्मिक आगजनी जैसी आपातकालीन घटना की सूचना मिलने पर त्वरित रूप से कार्यवाही करते हुए उपखण्ड स्तरीय प्रशासन को सूचित करते हुए आवश्यक कार्यवाही की गयी।
11. इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में संचालित श्री अन्नपूर्णा रसोई में दैनिक रूप से भोजन करने वाले लोगों हेतु छायादार टेंट की व्यवस्था की जायें के बारे निर्देशित किया गया।
12. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालोतरा को निम्न निर्देश दिये गए हैं।
 - : गर्मी जनित बीमारियों की रोकथाम एवं रोगियों को समुचित उपचार उपलब्ध करवाने की प्रत्येक चिकित्सा संस्थान पर पुख्ता व्यवस्था।
 - : चिकित्सा संस्थानों में लू-तापघात (Heat Wave) के दौरान प्रभावित रोगियों के लिए बनाये गये वार्डों में ए.सी., डेजर्ट कुलर और बर्फ की व्यवस्था बनायी रखी जायें।
 - : मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए पीने योग्य शीतल पेयजल हेतु आर.ओ. अथवा वैकल्पिक व्यवस्था तौर पर शीतल जल के लिये पानी को केमर तथा बैटने हेतु पर्याप्त छाया की व्यवस्था बनायी रखी जायें।
 - : जल जनित बीमारियों की रोकथाम बाबत जलदायक विभाग, जल संयंत्र, पंचायत आदि से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्य प्रयत्न हेतु निर्देशित किया न्वयन सुनिश्चित करें।

Signature valid

Digitally signed by Gauran Soni
Designation: Additional Collector
And Additional District Magistrate
Date: 2025.04.22 10:43:13 IST
Reason: Approved

—: आई.ई.सी. के माध्यम से जिले में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार द्वारा आमजन को मौसमी बीमारियों, लू-तापघात, जलजनित बीमारियों इत्यादि से बचाव एवं रोग के उपचार के संबंध में उन्हें शिक्षित/जागृत करें।

—: दूषित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक हेतु निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करें।

—: दूषित जल एवं खाद्य पदार्थों की जाँच हेतु नमूनीकरण तथा जलशुद्धिकरण की प्रभावी व्यवस्था को सुनिश्चित करें।

—: लू-तापघात के रोगियों के समुचित उपचार प्रत्येक चिकित्सा संस्था पर प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करें।

—: जिले के समस्त जल स्रोतों का क्लोरिनेशन करवायें।

—: आवश्यक दवाईयों, ब्लीचिंग पाउडर आदि का भण्डारण करें।

—: जिले में मौसमी बीमारियों की स्थिति का जायजा लेकर नियमित मॉनिटरिंग करें।

—: सामुहिक भोज, शादी समारोह एवं अन्य समारोह में खाद्य पदार्थों एवं पेयजल के नमूने जाँच हेतु लेना सुनिश्चित करें।

—: लू-तापघात, मौसमी बीमारी जैसे: हैजा, उल्टी दस्त, पीलिया, आन्त्रशोथ, अन्य मौसमी बीमारियों के रोगियों की सतर्कता से निगरानी रखते हुए बचाव उपचार की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करना।

—: रेपिड रेस्पॉन्स टीम का गठन व नियंत्रण कक्षों को सुदृढ़ करें।

—: सभी आईस फैक्ट्रीयों, होटलों, ढाबों, सार्वजनिक स्थानों (धर्मशालाओं, रेलवे स्टेशन, सिनेमाघरों) के पानी की जांच करना, खाद्य पदार्थों का नमूनीकरण करना य पेयजन स्रोतों का क्लोरिनेशन करवाना।

—: मौसमी बीमारियों की साप्ताहिक मॉनिटरिंग, रोकथाम की गतिविधियों का मूल्यांकन तथा दवाई य ब्लीचिंग पाउडर की उपलब्धता आवश्यकतानुसार सुनिश्चित करना।

—: पेयजल आपूर्ति किये जाने वाली पाईप लाईनों की जांच कर लीकेज पाईप लाईनों की मरम्मत हेतु PHED विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्य योजना बनाकर उसकी प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित करें।

अतः सूचनार्थ सादर प्रेषित है।

(डॉ. गुंजन सोनी)

अति.जिला कलक्टर, बालोतरा

Signature valid

Digitally signed by Gunjan Soni
Designation: Additional Collector
And Additional District Magistrate
Date: 2025.04.22 20:43:13 IST
Reason: Approved

राजस्थान सरकार
आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग

पत्रांक: एफ.1(2) आ.प्र.एवं सहा/लू-ताप/2025

जयपुर, दिनांक

समस्त जिला कलक्टर,
राजस्थान।

विषय:- माननीय न्यायालय के स्प्रेरणा संज्ञान द्वारा हीटवेव की तैयारियों की अनुपालना रिपोर्ट भिजवाने बाबत।

उपरोक्त विषयान्तर्गत माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर की एकल पीठ के IN RE: "Beat the Heatwave and Climate Change to Save the Life of Public at Large" में स्प्रेरणा संज्ञान दिनांक 17.04.2025 की पालना रिपोर्ट हेतु प्राप्त हुआ है।

माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय स्प्रेरणा संज्ञान के संदर्भित आदेश दिनांक 17.04.2024 की प्रति संलग्न कर निवेदन है कि **बिन्दु संख्या 22 एवं 26** के संबंध में हीटवेव से बचाव एवं रोकथाम हेतु जारी दिशा-निर्देशों की पालना में आपके द्वारा अब तक की गई कार्यवाही/अनुपालना रिपोर्ट दिनांक 22.04.2025 तक अविलम्ब इस विभाग की ई-मेल आई डी relief-rj@nic.in पर भिजवाया जाना सुनिश्चित करें, ताकि उच्च न्यायालय में सुनवाई की नियत दिनांक 24.04.2025 से पूर्व अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत की जा सकें।

संलग्न:-उपरोक्तानुसार

(भगवत सिंह)
शासन संयुक्त सचिव

Signature Not Verified



Digitally signed by Bhagwat Singh
Designation : Joint Secretary To
Government
Date: 2025.04.21 18:34:36 IST
Reason: Approved

कार्यालय नगरपालिका सिवाना जिला-बालोतरा(राज)

क्रमांक : नपासि/संस्थापन/2025/166

दिनांक :- 22/4/25

श्रीमान् जिला कलक्टर महोदय
बालोतरा

विषय:- हीट वेव एक्शन प्लान तैयार करने बाबत।

प्रसंग:- श्रीमान् जी का पत्र क्रमांक प.30() (आ.प्र.एवं सहायता/2025/229 दिनांक 03.04.2025 के संदर्भ में।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि प्रसांगिक पत्र द्वारा एनडीएमए, नई दिल्ली द्वारा हीट वेव की तैयारी और शमन उपाय हेतु हीट वेव एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देशों की पालना में व भारत सरकार द्वारा हीट वेव की रोकथाम और प्रबंधन हेतु कार्य योजना तैयार करने के लिए जारी दिशा-निर्देश 2019 के अनुसार नगर पालिका सिवाना द्वारा निम्नलिखित आवश्यक तैयारीयां एवं एक्शन प्लान का विवरण निम्नानुसार है:-

हीट वेव एक्शन प्लान

1.	Setting up Social Shelters for MGNREGA workers, construction workers and rescheduling their working hours in association with Rural Development and Labour & Employment Departments,	स्वायत्त शासन विभाग राज. जयपुर के आदेश क्रमांक 4516-4556 दिनांक 07.04.2025 के द्वारा मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना में नियोजित रागयावधि निर्धारण एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार ग्रीष्म ऋतु में तापमान वृद्धि के दृष्टिगत योजनान्तर्गत नियोजित श्रमिकों की कार्यवधि में दिनांक 08.04.2025 से विश्राम काल रहित अवधि प्रातः 6.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे निर्धारित कर दी गयी है।
2.	Arranging drinking water facility in heat wave affected areas/localities.	हीट वेव को देखते हुए पालिका क्षेत्र में आवश्यकतानुसार पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जावेगी तथा नरेगा श्रमिकों हेतु स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करवायी जा रही है।
3.	Arrange shades in the parks, bus stands, tourist spots and open areas.	नगर पालिका क्षेत्र में स्थित पार्को, बस स्टैण्ड, मुख्य मार्गों, चौराहों एवं नरेगा कार्यस्थलों पर टेन्ट शाभियाना की व्यवस्था करवा दी गयी है।
4.	Undisrupted supply of water in all the areas especially in informal settlements.	नगर पालिका क्षेत्र में ऐसे विशेष क्षेत्र/बस्तीयां जहां पर पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है उन क्षेत्रों को चिन्हित कर पालिका द्वारा पानी टैंकरों से पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जावेगी।

- हीटवेव को मध्यनजर रखते हुए शहरी क्षेत्र में निराश्रित पशुओं हेतु पानी की खोली(होदी) को पानी टैंकर से आपूर्ति सुनिश्चित कर दी जावेगी।
- पालिका क्षेत्र में पार्को, सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के पेयजल हेतु पेड़-पौधों पर परिंदे पालिका द्वारा दिनांक 21.04.2025 को लगवाये गये है।



अतः समस्त प्रशासनिक विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रमुख शासन सचिव/शासन सचिव एवं विभागाध्यक्षों को उपरोक्त बिन्दुओं के अनुसार व्यादिष्ट किया जाता है कि वे अपने अधीन कार्यरत समस्त राजसेवकों तथा बोर्डों, निगमों, स्वायत्तशासी संस्थाओं व उपक्रमों में कार्यरत राजसेवकों को अपना अचल सम्पत्ति विवरण SSO-ID से राजकाज पोर्टल पर ऑनलाईन समय सीमा में भरवाये जाने हेतु निर्देशित करें।

(डॉ. कृष्णा कान्त पाठक)
शासन सचिव

प्रतिलिपि:- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

1. सचिव, महामहिम राज्यपाल महोदय।
2. अति. मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, माननीय मुख्यमंत्री महोदय।
3. संयुक्त सचिव, मुख्य सचिव।
4. समस्त अति. मुख्य सचिव/प्रमुख शासन सचिव/शासन सचिव/संयुक्त शासन सचिव/उप शासन सचिव।
5. समस्त विशिष्ट सहायक/निजी सचिव मा. उप मुख्यमंत्री/मंत्री/राज्य मंत्री/संसदीय सचिव।
6. समस्त संभागीय आयुक्त।
7. समस्त विभागाध्यक्ष (जिला कलक्टरों सहित)
8. प्रशासनिक सुधार (कोर्डिफिकेशन) विभाग अनुभाग-7 कापियों सहित।
9. अतिरिक्त निदेशक, कार्मिक (कम्प्यूटर) विभाग।
10. तकनीकी निदेशक, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित है :-

1. प्रमुख सचिव, राजस्थान विधान सभा जयपुर।
2. सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर।
3. पंजीयक, राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर।
4. अतिरिक्त पंजीयक, राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर पीठ, जयपुर।
5. सचिव, लोकायुक्त सचिवालय, जयपुर।
6. पंजीयक राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय न्यायाधिकरण जयपुर।
7. निबन्धक, राजस्व मण्डल, अजमेर।
8. समस्त राजस्व अपील अधिकारी, अतिरिक्त कलक्टर, उपखण्ड अधिकारी सहायक कलक्टर।

Signature valid

Digitally signed by Krishna Kant Pathak
Designation : Secretary To Government
Date: 2024.12.30 22:25:53 IST
Reason: Approved

- आगामी लू/अत्यधिक हीटवेव से बचाव हेतु शहर में मुख्य बाजार एवं अत्यधिक भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों पानी का छिड़काव हेतु आवश्यक तैयारीयां सुनिश्चित कर ली गयी है।
 - पालिका द्वारा नरेगा श्रमिकों हेतु आवश्यक मेडीकल कीट, छाया, स्वच्छ पेयजल एवं महिला श्रमिकों के साथ छोटे बच्चों की देखभाल हेतु श्रमिक नियोजित कर लिया गया है।
- अतः हीट वेव की रोकथाम और प्रबंधन हेतु कार्य योजना तैयार करने के लिए जारी दिशा-निर्देश 2019 के अनुसार एक्शन प्लान तैयार कर श्रीमान् जी की सेवामें सादर प्रेषित है।



(महिपाल सिंह)
अधिशायी अधिकारी
नगर पालिका सिवाना



राजस्थान सरकार
कार्मिक (क-1/गो0प्र0) विभाग

प.13(76)कार्मिक/क-1/गो.प्र./2021/02463

जयपुर, दिनांक:

—: परिपत्र :-

विषय:-समस्त राजसेवकों द्वारा अपना अचल सम्पत्ति विवरण स्वयं के SSO-ID से लॉग इन कर राजकाज पोर्टल पर IPR MODULE द्वारा ऑनलाईन भरने के सम्बन्ध में।

समस्त राजसेवकों द्वारा प्रतिवर्ष **01 जनवरी की स्थिति में अपना अचल सम्पत्ति विवरण 31 जनवरी** तक भरे जाने का प्रावधान किया हुआ है, जिसके बिन्दु निम्न प्रकार है:-

1. प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी राज्य के समस्त राजसेवकों द्वारा वर्ष 2024 (01 जनवरी 2025 की स्थिति में) का अचल सम्पत्ति विवरण दिनांक 31 जनवरी 2025 तक अनिवार्य रूप से भरा जाना है। 31 जनवरी पश्चात IPR MODULE बंद होने पर अचल सम्पत्ति विवरण नहीं भरा जा सकेगा।
2. इस विभाग के परिपत्र क्रमांक प.13(76)का./क-1/गो.प्र./2011 दिनांक 29.06.2021 के तहत राजसेवक द्वारा अपने अचल सम्पत्ति विवरण की सूचना ऑनलाईन नहीं भरने पर संबंधित प्रशासनिक विभाग द्वारा उनको विजीलेंस क्लीयरेंस नहीं दी जावेगी व वेतन वृद्धि पर भी विचार नहीं किया जावेगा एवं पदोन्नति के सम्बन्ध में इस विभाग के परिपत्र दिनांक 19.01.23 अनुसार कार्यवाही की जावेगी। यह निर्णय राज्य सरकार द्वारा नियंत्रित सभी बोर्डों, निगमों, स्वायत्तशासी संस्थाओं व उपक्रमों पर भी लागू है।
3. समस्त राजसेवकों को SSO-ID से राजकाज पोर्टल पर Online IPR भरने में किसी भी प्रकार की कठिनाई के निराकरण के संबंध में उक्त परिपत्र के साथ संलग्न प्रपत्र में अंकित IT अधिकारी से 0141-292(2281) (1149)(1856)एव (1304) पर सम्पर्क कर सकते हैं।

Signature valid

Digitally signed by Krishna Kant Pathak
Designation : Secretary To Government
Date: 2024.12.30 22:53:53 IST
Reason: Approved





राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला कलक्टर,(आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा), बालोतरा

Email id: - dm.blt.rj@rajasthan.gov.in

Contact no. 02988-294610

Address: Collectorate Office Balotra, Kher Road, Balotra. (344022)

क्रमांक:-प3000आ.प्र.एव/सहायता/Heat wave/2025/281-95 दिनांक:- 28.04.25
प्रेषित:-

1. जिला पुलिस अधीक्षक बालोतरा ।
2. संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार , बालोतरा ।
3. अतिरिक्त मुख्यकार्यकारी अधिकारी जिला परिषद, बालोतरा ।
4. आयुक्त नगर परिषद, बालोतरा/अधीशाषी अधिकारी नगर पालिका सिवाना ।
5. सहायक श्रम आयुक्त अधिकारी बालोतरा ।
6. जिला रसद अधिकारी बालोतरा ।
7. उप निर्देशक, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, बालोतरा ।
8. उप निर्देशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बालोतरा ।
9. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालोतरा ।
10. जिला शिक्षा अधिकारी बालोतरा ।
11. उपखण्ड अधिकारी समस्त..... जिला बालोतरा ।
12. अधीक्षण अभियन्ता जन.स्वा. अभि. विभाग वृत्त बालोतरा
13. तहसीलदारसमस्त जिला बालोतरा ।
13. विकास अधिकारी पंचायत समिति समस्तजिला बालोतरा ।
14. उप निर्देशक महिला एवं बाल विकास विभाग, बालोतरा ।
15. अन्य समस्तसंबंधित अधिकारीगण, जिला बालोतरा ।

विषय:- माननीय न्यायालय के स्वप्रेरणा संज्ञान द्वारा हीटवेव से बचाव एवं रोकथाम हेतु निर्देश बाबत ।

संदर्भ:- मुख्य सचिव पत्रांक एफ1.(2)आ.प्र.एवं सहा/लू-ताप/2025/1315 दिनांक 24.04.2025 एवं माननीय उच्च न्यायालय के आदेश क्रमांक 17.04.2025 के क्रम में ।

उपरोक्त विषयान्तर्गत माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर की एकल पीठ द्वारा सप्रेरणा संज्ञान से IN RE: "Beat the Heat wave and Climate Change to Save the Life of Public at Large" में पारित संदर्भित आदेश दिनांक 17.04.2025 की प्रति संलग्न कर निर्देशित है कि हीटवेव से बचाव एवं रोकथाम हेतु माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों की संपूर्ण पालना सुनिश्चित कर इस कार्यालय को अवगत करवाने का श्रम करावें ।

संगलन - उपरोक्तानुसार

क्रमांक :- प. 3000आ.प्र.एवं सहायता/2025/296

प्रतिलिपि:- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित है:-

1. श्रीमान् मुख्य सचिव(आपदा प्रबंधन सहायता



Signature valid

Digitally signed by: Pooja Kusumil Kumar
Designation: Collector & District
Magistrate

Date: 2025.04.28 15:19:22 IST

Reason: Approved

जिला कलक्टर बालोतरा

सहायता

25.04.25

- Pl. forward to
all SOOs for n/a

राजस्थान सरकार
आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
भू-तल, खाद्य भवन, शासन सचिवालय, जयपुर ई-मेल relief@nic.in

पत्रांक: एफ.1(2) आ.प्र.एवं सहा/लू-ताप/2025/1315

जयपुर, दिनांक 24/4/25

निर्देश

अति. मुख्य सचिव/प्रमुख शासन सचिव/शासन सचिव
गृह विभाग, वित्त विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग,
जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, उद्यानिकी विभाग
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, स्वायत्त शासन विभाग,
ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग,
निदेशक स्वायत्त शासन विभाग,
समस्त जिला कलक्टर
राजस्थान।

विषय:- माननीय न्यायालय के स्वप्रेरणा संज्ञान द्वारा हीटवेव से बचाव एवं रोकथाम हेतु
निर्देश बाबत।

संदर्भ:- माननीय उच्च न्यायालय के आदेश क्रमांक 17.04.2025 के फंम में।

उपरोक्त विषयान्तर्गत माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर की एकल पीठ द्वारा
स्वेरणा संज्ञान से IN RE: "Beat the Heat wave and Climate Change to Save the Life of
Public at Large" में पारित संदर्भित आदेश दिनांक 17.04.2025 की प्रति संलग्न कर निर्देशित है
कि हीटवेव से बचाव एवं रोकथाम हेतु माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों की संपूर्ण पालना
सुनिश्चित करावें।

संलग्न:-उपरोक्तानुसार



भवदीय,
Anudhansh Pant
(सुधांशु पंत)
मुख्य सचिव

[1]
HIGH COURT OF JUDICATURE FOR RAJASTHAN
BENCH AT JAIPUR

IN RE:

**"IN THE MATTER OF "BEAT THE HEATWAVE AND CLIMATIC
CHANGE TO SAVE THE LIFE OF PUBLIC AT LARGE."**

JUSTICE ANOOP KUMAR DHAND

ORDER

17/04/2025

REPORTABLE

By the Court:

1. Temperature has been breaking records, across the globe and climate change has become terrifying. In the State of Rajasthan, the temperature is rising regularly hot, hotter and hottest with each passing day. It has already soared to 45°C and could potentially raise above 50°C, in several parts of the State. As a consequence of the global warming, heatwaves are now longer, stronger and more frequent, especially across half of the States in our Country.
2. The mercury in Churu District of the State recorded a scorching 50.5°C (122.9°F), breaking the State's previous record when temperature had crossed 50°C last year. According to sources and reports, there were 733 reported deaths due to heat stroke across 17 States in India, between April, 2024 to June, 2024. More than two dozen of Districts in the State of Rajasthan are now prone to severe heatwave conditions.
3. Scorching and extreme heatwaves coupled with extreme temperature are life-threatening, especially for vulnerable

populations in the State like elderly people, children, outdoor workers and those without access to cooling. Lakhs of people, living in various parts of Rajasthan have no place of shaded areas or shelter to protect them from the intense heat and burning waves.

4. Rajasthan's upcoming summer season poses a major challenge in terms of public health, with the increasing threat of heatwaves and heat strokes. The Indian Meteorological Department's warnings must be taken seriously to ensure timely preparedness and effective mitigation. Through systematic and scientific planning, community participation and proactive governance, Rajasthan can reduce the risks and protect the health and well-being of its citizens during extreme summer conditions. Preparedness today will determine resilience tomorrow. This is right time and high time to take the necessary steps and actions. Every effort must be made at all levels to keep Rajasthan free from casualties due to heatwaves and heat strokes this year and in the years to come, during summer season. Even, in this regard, the NGOs and social workers active in the field may also be encouraged to step forward in the interest of public at large.

5. Looking to gravity of the situation, last year this court vide its order dated 30.05.2024 took a Suo Moto cognizance in the name titled as "Save the Planet Earth and the Future Generations of this Universe." The petition is registered as D. B. Civil Writ Petition No. 9470/2024 wherein the following observations were made by this court in para 1 to 10 and 12 to 21 :-

"1. Earth is the only known planet having life in this Universe. Earth is the only planet which can sustain life on it. We do not have a planet-B which we can move onto. Earth is the home of million species including living and non-living.

2. Our planet is definitely a priceless gift from God. It is the principal saver of all essential nutrients for all living things on the planet. Earth provides everything we need, including the food we eat, the clothes we wear, the homes we live in. Earth is known as 'Mother Earth' because like our mother, she is always nursing us and providing for all of our needs.

3. On Earth, there are humans, animals, plants, water bodies, land, mountains, dirt and so no. Our planet is the only place on the globe where living things can survive. As a result, it becomes increasingly critical and crucial to save our planet.

4. Mother Earth is clearly urging a call to action. Nature is suffering. Extreme heat now-a-days crossing the temperature more than 50 Degree Celsius have affected millions of people of the State of Rajasthan and across the nation. Climate change, man-made change to nature as well as crimes that disrupt biodiversity, such as deforestation, cutting of trees, land use changes, destroying natural water bodies, etc. can accelerate the speed of destruction of the planet. Rapid cutting of trees has caused disaster climate change.

5. So we should respect and maintain everything we get from our mother Earth. We should save the mother Earth so that our future generations can live in a safe environment. This makes it all the more serious to save the Earth and save our lives. If we do not take strict action now, we will lose the chance of seeing out future generations flourish forever. Everyone must come together for the same cause, as we are inhabitants of this planet firstly and then anything else.

6. As all human activities are impacting the lives of other organisms, humans only need to take steps to protect the Earth and its resources. A little effort of each individual human being will go a long way on everone's end. Each action will make a difference. We will only succeed only if everyone plays a part. Let's take a step to provide harmony with nature and the Earth. Let each and every individual start a movement now to restore our old rich world.

7. We all should respect and maintain everything we get from our mother Earth. We should save the mother Earth so that our future generations can live a safe environment. We can save the Earth by saving the trees, natural vegetation, water natural resources. We should strictly follow all possible measures to control the environment pollution and global warming. Everyone

should plant more trees in the surrounding areas to curb the pollution and reduce the efforts of global warming.

8. Every small contribution we make to preserve the Earth and its ecology would certainly make a difference. A little effort will go a long way on everyone's end. Each action will make a difference.

9. The Government and individuals must come together to save the Earth. Let the people make aware of the consequences of not saving the Earth. They can be taught ways as to how they can contribute to saving the Earth. If all this collective effort starts happening, we can surely save our planet Earth and make brighter Earth for our future generations.

10. Save the Earth and save the future is a crucial responsibility that arises from a combination of moral, realistic and long-term survival concerns.

11. XX XX XX XX

12. Due to extreme weather conditions in the form of heatwave, hundreds of people have lost their lives in this month. Every year one Nation faces extreme weather conditions in the form of heatwave, rains and cold wave in which many people, particularly the poor ones lose their lives. The news items published in various newspapers and the news board casted on electric media reflect that in the heatwave of this year death toll has crossed thousands in number. The more lethal heatwave in the globe was the one that crippled Europe in 2003 killing 71,310 people. In the list of top ten deadliest disaster, Indian heatwaves figure four-five times in 1998, 2002, 2003, 2015 and this year-2004. Unsurprisingly, six of the top ten heatwaves, in terms of deaths, have occurred in the 21st Century, which has also recorded eight of the ten warmest years ever since records of global temperatures were started being kept. Unfortunately the poor who are poorly fed and have no option but to work in the scorching heat and chilling cold to get two square meals are vulnerable to these extreme weather conditions and lose their lives. The death tolls from heatwaves are very difficult to estimate since excess heat is typically not listed as the primary cause of death in the cases where the victim has a pre-existing condition such as heart or lung disease.

13. Looking to large number of death due to extreme heat and cold waves across the country, that National Disaster Management Authority (for short "the NDMA") started working on it. There is need to declare heatwave and coldwave as National Calamity. A detailed study was conducted to find out the ways in the form of prevention methods, access to portable drinking water and cooling space, etc. are required to prevent deaths due to heatwave and availability to *rain baseras*, woollens,

medicines and food for the poorest of the poor may prevent death during these heatwaves and chilling winters. This is the basic minimum which is required to be done for the poorest of the poor in a welfare State.

14. In order to seek some solution to avoid and overcome the above situation, a Bill i.e. "The Prevention of Deaths Due to Heat and Cold Waves Bill, 2015" (for short "the Bill of 2015") was introduced in the Rajya Sabha on 18th December, 2015 to provide for the prevention of human deaths caused by heat stroke during summer and chilling cold during winter seasons by declaring heatwave and coldwave as national calamity and for making provisions for advance preparedness to face these natural calamities immediately on predictions of meteorological department making provision for providing woollens, setting up night shelters, community bonfires etc. during winters and for drinking water, ORS packets, Mango panna, cooling space and shades at conspicuous places, free ration and other needs for the poor homeless workers and daily wage earners during summer and for payment of compensation to the kins of those losing lives in heat or cold wave, as the case may be, by the Central and the State Governments and for matters connected therewith and incidental thereto.

15. Several provisions were inserted in the above Bill of 2015 such as on receipt of the prediction of the Meteorological Centre, the appropriate Government shall alert its Ministries or Departments dealing with agriculture, drinking water, social justice, food and others, as it may deem necessary, to be ready with their action plans to face the natural calamity and disaster, which may likely to be caused by such natural calamity. Several beneficial provisions were made in the benefit of the affected persons, but for the reasons best known to the Central Government, in spite of passing of more than 8-9 years, till date the said Bill has not been passed in the Houses of Parliament to get it in the shape of a statutory Act, which can be enforced by its implementation. The said Bill of 2015 is still lying in cold storage and has not seen the light of day in spite of passing of almost a decade. A downloaded copy of the Bill of 2015 is attached herewith and marked as Annexure C/1.

16. A Heat Action Plan (for short "HAP") was developed in the State of Rajasthan with the advise and leadership of the Disaster Management and Relief Department (for short "the DMRD") and the Rajasthan State Pollution Control Board (for short "the RSPCB"). This 'HAP' was guided and supported by the experts of the fields of weather, climate and health and related disciplines. This HAP was supposed to be India's first rural climate resilience heat action plan for rural settings. Roles and Responsibilities of various Departments were fixed.

Categories of Yellow, Orange and Red Alerts i.e. Hot Day Advisory (41-43°C), Heat Alert Day (43-44.9°C) and Extreme Heat Alert Day (45°C and above) were prescribed to meet every situation of the climate. Various duties of Nodal Officers at various levels of various Departments were fixed including the duties of Media, Press and Communication Officers. But for practical purposes and in reality, the Rajasthan Climate Change Project bringing Heat Action Plan has not given its correct effect in true letter and spirit. A downloaded copy of the Rajasthan Climate Change Project bringing Heat Action Plan is attached herewith and marked as Annexure C/2.

17. Thereafter, the Ministry of Health and Family Welfare (for short "MOHFW"), Government of India brought a scheme on 18.04.2013 i.e. "Strengthening Health Systems Preparedness for Heat Related Illness (HRI) in India" for Community Health Centre (CHC) and District Hospitals (DH). This includes planning for Pre-Heat Season, During Heat Season and Post Heat Season. Similarly, provisions are meant for emergency management and cooling for severe heat related illness and construction of heatstroke room for emergency management of severe heat related illnesses. But in practicality, the Government has miserably failed to implement this scheme and provisions meant for benefiting the heatstroke patients. A downloaded copy of the scheme of Strengthening Health Systems Preparedness for Heat Related Illness (HRI) in India is attached herewith and marked as Annexure C/3.

18. Last year the Delhi Disaster Management Authority prepared a Delhi Heat Wave Action Plan-2023 to meet out with every situation arising out of heatwaves. Various strategies, roles and responsibilities of the official staff and officers of various departments were identified and fixed during pre & post and after Heatwave Seasons to face all kinds of unwarranted situations in the interest of public at large. A downloaded copy of the Delhi Heat Wave Action Plan-2023 is attached herewith and marked as Annexure C/4. The State of Rajasthan and Central Government are also supposed to prepare such Heat Wave Action Plans and take all possible, sincere and serious steps in this regard.

19. Recently, the National Centre for Disease Control, Directorate Health Services, Ministry of Health and Family Welfare, New Delhi has issued advisory for State Health Department on Heat Wave Season-2024 by which 'Standard Operating Procedures' (for short "SOP") has been prepared and issued to reduce the health impacts of extreme heat and the health departments have been directed to ensure preparedness and timely response to meet out every situation arising out of the extreme heatwaves. A downloaded copy of the advisory issued for



State Health Department on Heat Wave Season-2024 is attached herewith and marked as Annexure C/5.

20. This Court has noticed that in spite of making drafts of such action plans, the effective steps are not taken by the welfare State in the benefit of the public at large to save them from such extreme heatwave situation, which they are facing now-a-days.

21. Climate change is one of the more serious threat which our planet is facing now-a-days. Temperatures have been steadily increasing leading to heatwaves, which have affected mass people and causing many unwanted untimely casualties."

6. After taking Suo Moto cognizance of the matter, the following directions were issued in paras 23, 24 and 26 of the order, which read as under:-

"23. The Chief Secretary of the State of Rajasthan and Under Secretary of Ministry of Home and Health are directed to constitute Committees of various Departments under the Chairmanship of the Additional Chief Secretary or Principal Secretary of each Department to look into the matter and take immediate and appropriate steps for effective implementation of Heat Action Plan prepared under the Rajasthan Climate Change Project and various schemes prepared for Strengthening Health Systems Preparedness for Heat Related Illnesses and for plantation of trees, conservation of water, forest and electricity, etc.

24. Looking to the fact that large number of persons have lost their lives due to extreme heatwaves and heat strokes during summers and chilling cold during winters, it is high time for the Governments to bring appropriate legislation and enact the statutory Act arising out of the Prevention of Deaths Due to Heat and Cold Waves Bill, 2015. This Court directs the Registry that a copy of this order be forwarded to the Ministry of Law and Justice, Union of India, New Delhi as well as to the Principal Secretary, Department of Law and Legal Affairs, Government of Rajasthan, Jaipur for such an action as they may deem fit to take in this behalf on the issues involved in this matter.

25. XX XX XX XX

26. It is expected from the Government authorities to take immediate steps for construction of water bodies near the dams, etc. to save the rainy water in future and make all sincere endeavours to take all possible steps for maximum plantation across the State."

7. This Court issued certain interim directions, looking to the situation prevailing at the relevant time last year i.e. in 2024.

8. When this matter was listed before the Division Bench on 15.07.2024, the following order was passed:-

"Learned Advocate General would submit that the learned Single Judge while taking cognizance under the provisions of Rule 385Q of the Rules of the High Court of Rajasthan, 1952 has exceeded its jurisdiction and issued series of directions, though termed as interim measure, are effective directions having element of finality. He would further submit that the directions issued by learned Single Judge, if not complied with, may invite adverse orders by the Court. Therefore, it is requested that appropriate clarification may be ordered.

We find that learned Single Judge has taken cognizance as it prima-facie appears to be a matter of public interest requiring intervention of the Court. We also find that learned Single Judge, after having noted adverse effects of global warming and scarcity of water, has proceeded to issue series of directions including a direction for appropriate legislation. It appears that the directions were issued, taking into consideration the heatwaves, which were prevailing at the time when the directions were issued. Some of the directions, which have been issued, were intended to provide immediate measures, like sprinkling of water, providing cooling spaces, shades on the traffic signals etc. However, there are many directions, which are in the nature of final order and cannot be construed as interim measure. Therefore, at this stage, we are inclined to obtain the response of the State as to what action plans are prepared and acted upon to deal with heatwave situation as and when it occurs.

Six weeks' time is granted to the learned Advocate General to file response. The directions, which have been issued by learned Single Judge, were in the nature of interim directions to meet out emergent situation and shall lose its efficacy. After receipt of response by the State, this Court shall consider as what kind of directions are required to be issued.

Matter be listed after six weeks.

Counsel who were requested earlier may assist the Court on the next date of hearing."

9. The Division Bench was of the view that cognizance was taken in the public interest, necessitating intervention of the Court. It was observed that the interim directions were issued, looking to the prevailing heatwaves and the same were intended to provide immediate measures like sprinkling of water, providing cooling spaces, shades at the traffic signals etc. It was observed that the above interim directions were issued to meet out the emergent situation and the same shall lose its efficacy once the crisis is passed. The State took time to file its response regarding its action plan for dealing with the heatwave situation, as and when it occurs.

10. More than ten months have passed since then, but inspite of passing of considerable time, no action plan has been prepared by the State to address the currently escalating situation of heatwaves. Neither any efforts have been made by the State to implement the "Heat Action Plan" developed under the Rajasthan Climate Change Project in its true letter and spirit nor any steps have been taken to ensure effective implementation of the scheme 'Strengthening Health Systems Preparedness of Heat Related Illness (HRI) in India' and no advisory has been so far issued to the State Health Department regarding upcoming heatwaves, which is essential in the interest of public welfare.

11. This Court feels pain and expresses its concern in observing that no mechanism has been made so far by the State to sprinkle water on roads where there is heavy public movement. No cooling spaces or shaded areas have been provided at the traffic signals, roadside spots and in the densely populated area. Major traffic

signals, where vehicles stops at red-lights, remain uncovered, offering no protection from the scorching sun and intense heat to pedestrians and commuters. Facilities such as sprinkling water, distributing ORS packets, mango panna and other cooling relief measures have not been made available to the general public, particularly daily wage earners, rickshaw and cart pullers and porters. Furthermore, no drinking water facilities have been arranged for birds and animals. No advisories have been issued for the outdoor workers including porters, cart pullers and rickshaw drivers recommending rest periods from 12 Noon to 3 PM during peak heatwave conditions in the summer season. The State has also failed to take steps to issue heatwave alerts through Short Message Service (SMS), FM Radio, Television, Mobile Applications, Print/Electronic/Social Media, Newspapers, etc. to warn the public about extreme weather/heatwave conditions.

12. Public at large cannot be said to be affected and annoyed on account of inaction of the Government Authorities. This Court cannot turn a blind eye to these factors and attributes. The people of the State are suffering from extreme heatwaves and heat strokes. Citizens of the State cannot be treated as cattle. Every human being as well as every living being, be they animals or birds, has a right to life.

13. This Court cannot shut its eyes to the poor functioning of State officials in such emergent circumstances. A welfare State and its officials cannot be allowed to escape from their duties and liabilities arising from any casualties caused in the State due to extreme heatwave situation.

14. It appears that the respondents have failed to discharge their duties and comply with the directions issued to them and they are sleeping over the current emergent situation of heatwaves. The respondents have kept the directions/orders passed by this Court in cold storage, that is why no action has been taken by the Government authorities, for the reasons best known to them.

15. This Court is constrained to observe that the instant case is a classic and glaring textbook example of obstinacy exhibited by the State Officials, who appear to consider themselves above and beyond the reach of law. The non-compliance of the order dated 30.05.2024, even after a lapse of almost 10 months, is both shocking and prima-facie contemptuous.

16. Contempt of the Court's order is a serious legal infraction that strikes at the very sole of justice and the sanctity of legal proceedings. When a party engages in contempt, it does more than simply refusing to comply the Court's order. By failing to adhere to judicial directions, a contemnor not only disrespects the specific order but also directly questions the Court's ability to uphold the rule of law. It erodes the public confidence in the judicial system and its ability to deliver justice impartially and effectively.

17. The Courts ordinarily take a lenient approach in cases of minor delays caused in compliance of the orders, unless the same is deliberate and willful, on confronting the conduct of the contemnor that strikes the very heart of judicial authority. But, the lenient approach of the Court should not be taken lightly and

casually by the State instrumentalities. In the eventuality of the order passed by this Court is not complied with now, this Court will be constrained to pass appropriate orders, at an appropriate stage.

18. Looking to the overall facts and circumstances and taking serious note of the situation, a Suo-Moto cognizance is required to be taken to find out speedy solution to save the citizens of the State from the extreme heatwave situation. Let this petition be registered as :-

SUO MOTO : IN RE : "Beat the Heatwave and Climatic Change to Save the Life of Public at Large."

Versus

1. Union of India through Ministry of Home Affairs, New Delhi.
2. Ministry of Indian Meteorological Department, Government of India, New Delhi.
3. National Disaster Management Authority of India, New Delhi.
4. Chief Secretary, Government of Rajasthan, Government Secretariat, Jaipur.
5. Additional Chief Secretary, Department of Home, Government Secretariat, Jaipur.
6. Additional Chief Secretary, Department of Finance, Government Secretariat, Jaipur.
7. Additional Chief Secretary, Department of Medical and Health, Jaipur.
8. Secretary, Department of Meteorology, Government of Rajasthan, Jaipur.
9. Additional Chief Secretary, Public Works Department, Jaipur.
10. Additional Chief Secretary, Department of Public Health and Engineering, Jaipur.
11. Secretary, Department of Horticulture, Government of Rajasthan, Jaipur.

12. Additional Chief Secretary, Department of Local Self, Government of Rajasthan, Jaipur.

13. Director, Department of Local Self, Government of Rajasthan, Jaipur.

19. The Chief Secretary of the State of Rajasthan is directed to constitute a coordination committee comprising of various departments to address the issue involved in this petition and to prepare an action plan for immediate and appropriate steps for effective implementation of the Heat Action Plan, prepared under the Rajasthan Climate Change Project and the various schemes prepared to strengthen Health Systems Preparedness for Heat Related Illness, etc.

20. Let this petition be treated as Part-II of the earlier Suo Moto Writ Petition No.9470/2024 in the interest of common public at large of the State.

21. Covering the head by cloth, cap, turban, safi or umbrella during heatwaves may be a practical measure to mitigate the harmful effects of extreme heat, particularly for vulnerable populations such as street vendors and those who are working outdoors. By providing shade of anyone of above may help in reducing exposure to direct sunlight, lowering body temperature and preventing heat strokes. This simple action can significantly enhance the safety and well-being of individuals during heatwave. The shade offered by cloth, cap, turban or umbrella can even save the lives of vulnerable individuals. By using anyone of above articles, the individuals can protect them from the dangers of heatwaves, making them a crucial tool in mitigating heatwave risks. If the Government authorities think it fit and appropriate

information may be broadcasted through message by SMS, FM Radio, Television, Electronic/Print/Social Media to the public at large in their interest.

22. By an interim measure, looking to the need of the hour and the current emergent situation of heatwave, this Court deems it just and proper to reiterate the following directions to the respondents again in the light of the order dated 30.05.2024, passed by this Court in D. B. Civil Writ Petition No. 9470/2024 :-

- (i) To provide cooling spaces, shades on the traffic signals, spots, etc. near the roads and highways where the Government may deem necessary for the benefit of general public at large, daily wage earners, rickshaw or cart pullers and porters, birds and animals with facility of drinking water, ORS packets, mango *panna*, etc. in such a manner for their benefit to save them from heat stroke.
- (ii) To provide all possible facilities at all the Health Centers for treatment of heatwave patients.
- (iii) To issue advisory for all the workers who work in open including the porters, cart and rickshaw pullers, etc. to allow them to rest between 12 Noon and 3 PM during extreme heatwave in summer season.
- (iv) To issue alerts in the form of Short Message Service (SMS), FM, Radio, Television, Mobile Apps, Print and Electronic Media, Newspapers, etc. to alert the people about the extreme heatwave conditions.

23. It goes without saying that interim directions No.(i) to (v) shall be made effective in every District and Village across the State of Rajasthan. The respondents are directed to comply with and implement these directions, without any failure, in each and every District and Village of the State. Let the Chief Secretary of the State issue necessary instructions to the heads of all the Districts and Villages/Local Administration to take immediate steps to ensure strict compliance of the above interim directions for the current year and all the years to come.

24. The respondent-departments of the Government cannot be allowed to take the excuse that there are no available funds to spend for implementing the interim directions issued by this Court, especially when the Government is able to spend substantial funds, running in millions, on its publicity campaign, conducting various award ceremonies and other similar activities that are not necessarily conducted in the public interest. The Government should not hesitate to allocate and utilise funds for the larger public good particularly to save human lives and the lives of all living being. The Government must prioritise spending its funds towards addressing public needs. Tax payers' money should be used to frame and implement public policies in the interest of public at large. While the Government operates within the budget constraints, it must prioritise spending of public money for public needs. Transparency and public participation are essential to ensure that Government resources are used effectively in the basic interest of the public at large.

25. Issue show cause notice to the respondents as to why the following directions be not issued to them:-

- (a) To plant trees along both sides of the roads in each and every District of the State of Rajasthan and to create green public spaces in the interest of public at large.
- (b) To implement the "Heat Action Plan" prepared under the Rajasthan Climate Change Project with immediate effect, in its true letter and spirit, and to effectively implement the scheme 'Strengthening Health Systems Preparedness for Heat Related Illnesses' and issue Advisory for the State Health Department on Heatwave Season, with immediate effect, in the interest of public at large.
- (c) To implement the Prevention of Deaths Due to Heat and Cold Waves Bill, 2015, in the form of an Act, and to enforce the same with immediate effect.
- (d) To frame a policy for implementing the interim and final directions every year, starting when the peak summer season begins and temperature exceeds 40°C.
- (e) To pay appropriate & suitable amount of compensation to the dependents of the victims of heatwave, who lost his/her life due to heat stroke.

26. The respondents and the District Collectors of all the Districts of the State are directed to submit a report before this Court about the steps taken by them to comply with the interim directions Nos. (i) to (iv) on the next date of hearing. Let a copy of this order be sent to them for necessary compliance.

27. Mr.Susshil Daga, Mr.Kunal Jaiman & Mr.Tribhuvan Narayan Singh, Advocates; Mr.R.D.Rastogi, Additional Solicitor General for Union of India; Mr.G.S.Gill, Mr. Vigyan Shah, Mr.Bhuwanesh Sharma, Mr.Kapil Prakash Mathur and Mr.Sandeep Taneja, Additional Advocates General for the State of Rajasthan are requested to assist the Court. They accept notices on behalf of all the respondents, hence, service is treated as complete.

28. Let a copy of this order be supplied to the respective counsels, named in the forgoing paragraph, for necessary compliance. Similarly, a copy of this order be sent to the respondents to undertake necessary action and to initiate appropriate steps to resolve the issue involved/raised in the instant petition, in the interest of general & common people at large.

29. Let this petition be tagged with D.B.Civil Writ Petition No.9470/2024 for passing appropriate further orders on the next date of hearing.

30. Re-notify this matter on 24.04.2025 before the Court at top of the list to check the steps taken by the respondents, in compliance of the interim direction Nos.(i) to (iv) issued by this court.

(ANOOP KUMAR DHAND),J

Karan/



राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला कलक्टर, (आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा), बालोतरा

Email id: - dm.blr.rj@rajasthan.gov.in

Contact no. 02988-294610

Address: Collectorate Office Balotra, Kher Road, Balotra. (344022)

क्रमांक:—प3000आ.प्र.एव/सहायता/2025/318-336

दिनांक:— 2/05/2026

प्रेषित:—

- 1 जिला पुलिस अधीक्षक बालोतरा ।
2. संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार , बालोतरा ।
3. अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद, बालोतरा ।
4. आयुक्त नगर परिषद, बालोतरा / अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सिवाना ।
- 5 सहायक श्रम आयुक्त अधिकारी बालोतरा ।
- 6 जिला रसद अधिकारी बालोतरा ।
- 7 उप निदेशक, सुचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, बालोतरा ।
- 8 उप निदेशक, सुचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बालोतरा ।
- 9 मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालोतरा ।
- 10 जिला शिक्षा अधिकारी बालोतरा ।
- 11 उपखण्ड अधिकारी समस्त..... जिला बालोतरा ।
- 12 अधीक्षण अभियन्ता जन.स्वा. अभि. विभाग वृत्त बालोतरा
- 13 तहसीलदारसमस्त जिला बालोतरा ।
- 13 विकास अधिकारी पंचायत समिति समस्तजिला बालोतरा ।
- 14 उप निदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग, बालोतरा ।
- 15 अन्य समस्तसंबंधित अधिकारीगण, जिला बालोतरा ।

विषय:— बैठक कार्यवाही विवरण सूचनार्थ बाबत ।

दिनांक 24.04.2025 को श्रीमान मुख्य सचिव महोदय की अध्यक्षता में ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए, आपातकालीन सेवाएँ प्रदान करने वाले महत्वपूर्ण विभागों की समीक्षा बैठक की बैठक कार्यवाही विवरण दिनांक 28.04.2025 की प्रति सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है ।

संगलन - उपरोक्तानुसार

(सुशील कुमार यादव)
जिला कलक्टर, बालोतरा

Signature valid



Digitally signed by Susheel Kumar
Designation: Collector & District
Magistrate
Date: 2025.05.01 19:55:14 IST
Reason: Approved



राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला कलक्टर, (आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा), बालोतरा

Email id: - dm.bltrj@rajasthan.gov.in

Contact no. 02988-294610

Address: Collectorate Office Balotra, Kher Road, Balotra. (344022)

क्रमांक:-प3000आ.प्र.एवं सहायता/नहरबंदी /2025/ 232

दिनांक: 03/04/25

प्रेषित :-

1. जिला पुलिस अधीक्षक बालोतरा ।
2. संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार , बालोतरा ।
3. अतिरिक्त मुख्यकार्यकारी अधिकारी जिला परिषद, बालोतरा ।
4. आयुक्त नगर परिषद, बालोतरा /अधीशाषी अधिकारी नगर पालिका सिवाना ।
5. सहायक श्रम आयुक्त अधिकारी बालोतरा ।
6. जिला रसद अधिकारी बालोतरा ।
7. उप निदेशक, सुचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, बालोतरा ।
8. उप निदेशक, सुचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बालोतरा ।
9. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालोतरा ।
10. जिला शिक्षा अधिकारी बालोतरा ।
11. उपखण्ड अधिकारी समस्त..... जिला बालोतरा ।
12. अधीक्षण अभियन्ता जन.स्वा. अभि. विभाग वृत्त बालोतरा
13. तहसीलदारसमस्त जिला बालोतरा ।
13. विकास अधिकारी पंचायत समिति समस्तजिला बालोतरा ।
14. निजी सहायक, जिला कलक्टर/अतिरिक्त जिला कलक्टर बालोतरा
15. उप निदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग, बालोतरा ।
16. अन्य समस्तसंबंधित अधिकारीगण, जिला बालोतरा ।

विषय :- Advisory/IEC for Heat wave 2025 के कम में।

प्रसंग :- श्रीमान संयुक्त शासन सचिव, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग राजस्थान जयपुर का पत्रांक एफ 14(1)आ0प्र0 एवं सहा./लू-ताप/2025/राजकाज रेफरेंस संख्या 14444933 दिनांक 28.03.2025

उपर्युक्त विषयान्तर्गत प्रासंगिक पत्र के सन्दर्भ में लेख है कि राज्य में हाल के वर्षों में गर्मी में बढ़ोतरी हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने गर्म मौसम के लिए तापमान और वर्षा पर मार्च से मई 2025 का मौसमी Outlook जारी किया गया है।

राज्यों में वर्ष 2025 में हीट वेव की स्थिति के प्रभावी शमन और प्रबंधन के लिए लू-ताप के बचाव से आमजन के राहत हेतु भारत एवं राज्य सरकार द्वारा "गर्मी/लू-ताप की लहर (क्या करें और क्या न करें)" Advisory 2025 व IEC जारी की गई है।

अतः निर्देशानुसार आप सभी को प्राप्त पत्र मय Advisory 2025 व IEC पत्र के साथ संलग्न प्रेषित कर निर्देशित किया जाता है कि उक्त एडवायजरी हीट वेव - 2025 "गर्मी/लू-ताप की लहर (क्या करें और क्या न करें)" का आमजन में प्रचार प्रसार करें ताकि जिले में लू-ताप से जन हानि न हो।



Signature valid

Digitally signed by Susheel Kumar
Designation: Collector & District
Magistrate
Date: 2025.04.01 16:51:21 IST
Reason: Approved

इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही कर इस कार्यालय को आवश्यक रूप से अवगत कराया जाना सुनिश्चित करें, ताकि आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग राजस्थान जयपुर को अवगत कराया जा सके।

संलग्न - उपरोक्तानुसार

(सुशील कुमार यादव)
जिला कलक्टर, बालोतरा

क्रमांक :- प. 3000आ.प्र.एवं सहायता/2024/233-234 दिनांक:- 31/04/25
प्रतिलिपि:- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

1. श्रीमान् सयुक्त शासन सचिव(आपदा प्रबंधन सहायता नागरिक सुरक्षा विभाग), जयपुर।
2. निजी सहायक ,जिला कलक्टर /अतिरिक्त जिला कलक्टर बालोतरा।

जिला कलक्टर बालोतरा

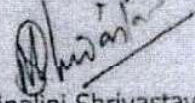
Signature valid

Digitally signed by Susheel Kumar
Designation: Collector & District
Magistrate
Date: 2025.04.01 16:51:21 IST
Reason: Approved

: 2 :

would schedule regular meetings with the States to be attended by officers of not below the rank of Relief Commissioner/CEO/MD of SDMA. The first meeting is scheduled on 19th March, 2025 at 1200 Hrs.

Yours sincerely,



(Mrinalini Shrivastava)

1. Additional Chief Secretary/Principal Secretary (DM/Revenue) /Relief Commissioner of the Heat Wave prone States/UTs. (As per list attached).
2. VC/MD/ED/CEO of SDMA's of the Heat Wave prone State/UTs. (As per list attached).

CHIEF SECRETARY CONTACT LIST

Sr. No.	Name of State/UT	Name/Designation/Department	Contact No/ Mail ID	Confirmation
1.	Andhra Pradesh	SH. NEERABH KUMAR PRASAD (IAS), Chief Secretary, Govt. of AP, Interim Government Complex, A.P. Secretariat, Velagapudi, Guntur - 522238	cs@ap.gov.in 0863 - 2441024	
2.	Arunachal Pradesh	SH. MANISH GUPTA (IAS), Chief Secretary, Government of AP, Civil Secretariat, Itanagar - 791111	2212444 (Res) 2215788 (Res) cs-arunachal@nic.in	
3.	Bihar	SH. AMRIT LAL MEENA, Chief Secretary, Govt. of Bihar, Main Secretariat, Patna, Bihar - 800015	0612 - 2215804 cs-bihar@nic.in	
4.	Chhattisgarh	SH. AMITABH JAIN, Chief Secretary, Govt. of Chhattisgarh, Room No. S4-21, Mahanadi Bhawan, Nava Raipur, Atal Nagar, Raipur - 492001	0771 - 2221207/2221208 9826146416 csioffice.cg@gov.in	
5.	Gujarat	SH. RAJ KUMAR (IAS), Chief Secretary, Govt. of Gujarat, 5 th Floor, Block No. 1, Sardar Bhawan, Sachivalaya, Gandhinagar - 382010	079 - 23250301, 2, 3 07923250301 chiefsecretary@gujarat.gov.in csrui@gujarat.gov.in	
6.	Haryana	SH. VIVEK JOSHI (IAS), Chief Secretary, Govt. of Haryana, Room No. 4, 4 th Floor, Haryana Civil Secretariat, Sector-I, Chandigarh - 160001	0172-2740118 cs@hry.nic.in	
7.	Himachal Pradesh	SH. PRABODH SAXENA (IAS), Chief Secretary, Govt. of HP, Room No. E-201 B, Secretariat, Shimla - 171002	0177 - 2621022 cs-hp@nic.in	
8.	Jharkhand	SMT. ALKA TIWARI, Chief Secretary, Govt. of Jharkhand, 1 st Floor, Project Building Dhurwa, Ranchi - 834004	0651 - 2400240, 2400250 cs-jharkhand@nic.in	
9.	Karnataka	DR. SHALINI RAJNEESH, Chief Secretary, Govt. of Karnataka, Room No. 320, 3 rd Floor, Vidhanasoudha, Bangalore - 560001	22252442 22253476 cs@karnataka.gov.in	
10.	Madhya Pradesh	SH. S. N. MISHRA, Chief Secretary, Govt. of Madhya Pradesh, Vallabh Bhawan, Bhopal - 797001	0755 - 2708060 / 2708064 pshome@mp.gov.in	
11.	Maharashtra	SMT. SUJATA SAUNIK (IAS), Chief Secretary, Govt. of Maharashtra, 6 th Floor, Main Building, Mumbai - 400032	022 - 22025042, 22028762 chiefsecretary@maharashtra.gov.in cs-maharashtra.gov.in	
12.	Odisha	SH. MANOJ AHUJA (IAS), Chief Secretary, Govt. of Odisha, Odisha Secretariat, Bhubaneswar - 751001	0674 - 2534300 / 2536700 2322196, 2536660 csori@nic.in	
13.	Punjab	SH. K A P SINHA (IAS), CS, Govt. of Punjab & Addition Principal Secretary, Secretariat, Chandigarh - 160001	0172 - 2740860 0172 - 2740165 cs@punjab.gov.in	

14.	Rajasthan	SH. SUDHANSH PANT (IAS), Chief Secretary, Govt. of Rajasthan, Secretariat, Jaipur - 302005	0141 - 2227254 0141 - 2227390 cs-raj@rajasthan.gov.in	
15.	Tamil Nadu	SH. THIRU. N. MURUGANANDAM (IAS), Chief Secretary, Govt. of Tamil Nadu, Secretariat, Chennai - 600009	044 - 25671555 cs@tn.gov.in	
16.	Telangana	SMT. A SANTI KUMARI (IAS), Chief Secretary, Govt. of Telangana, Secretariat, Hyderabad - 500022	040 - 23452620 23455340 cs-telangana.gov.in	
17.	Uttar Pradesh	SH. MANOJ KUMAR SINGH, CS, Govt. of UP, 101, 'B' Block, Lok Bhawan, Secretariat, Lucknow - 226001	522 - 2289212, 2289296 csup@nic.in	
18.	Uttarakhand	SMT. RADHA RATURI, CS, Govt. of Uttarakhand, 4 Subhash Road, Uttarakhand Secretariat, Dehradun - 248001	0135 - 2712100, 2712200 cs-uttarakhand@nic.in	
19.	West Bengal	DR. MANOJ PANT (IAS), Chief Secretary, Govt. of West Bengal, Nakshatra (13 th Floor), 325, Sarat Chatterjee Road, Mandirala Shibpur, Howrah-711102	2214-5858 cs-westbengal@nic.in	
20.	Delhi	SH. DHARMENDRA (IAS), Chief Secretary, Government of National Capital Territory of Delhi, 3rd level, Delhi Secretariat, I.P. Estate, N. D. - 110002	23392100, 23392101 csdelhi@nic.in	
21.	J & K	SH. ATAL DULLOO (IAS), Chief Secretary, General Administration Department, Government of Jammu and Kashmir, R. No. 2/7, 2nd Floor Main Building, Civil Secretariat, Jammu-180001 SH. ATAL DULLOO (IAS), Chief Secretary, General Administration Department, Government of Jammu and Kashmir, R. No. 307, 3rd Floor, Civil Secretariat, Srinagar-190001	0191-2546773 cs-jandk@nic.in 0194-2506033 cs-jandk@nic.in	
22.	Kerala	SMT. SARADA MURALEEDHARAN (IAS), CS, General Administration Department, Govt. of Kerala, Room No. 202, North Sandwich Block, Secretariat	0471 - 2333147, 0471 - 2518181 chiefsecy@kerala.gov.in	
23.	Goa	DR. V. CANDAVELLOU (IAS), Chief Secretary, Government of Goa, Secretariat, Porvorim, Bardez-403521	832-2419402, 2419401 cs_goa@nic.in	

List of Additional Chief Secretary / Principal Secretary (DM / Revenue) / Relief Commissioners and Vice Chairman / MD / ED / CEO of SDMA of States & UTs.

Sr. No.	Name of State/UT	Name/Designation/Department	Contact No./Mail ID
1.	Andhra Pradesh	SH. R. P. SISODIA, Special Chief Secretary Revenue (DM), Govt. of Andhra Pradesh, Room No. 135, 1 st Floor, 4 th Block, A.P. Secretariat, Velagapudi, Amravati-522503	0863 - 2444558 ps-prlsecy_endow@ap.gov.in
		SH. RONANKI KURMANATH (IAS), Director (DM), Ex-Officio Deputy Secretary to Government, Revenue (DM) Department, Managing Director (FAC), Andhra Pradesh State Disaster Management Authority, 21/2B, Pathuru Cross Road Centre Kunchanapalli (PO), Tadepalli Mandal, Guntur District, Andhra Pradesh - 522501	0863 - 2377099 commr_relief_rev@ap.gov.in
		DR. C. NAGARAJU, Executive Director, Andhra Pradesh State Disaster Management Authority, 21/2B, Pathuru Cross Road Centre Kunchanapalli (PO), Tadepalli Mandal, Guntur District, Andhra Pradesh - 522501	9676957788, 0863-2377105 ed-apsdma@ap.gov.in
2.	Arunachal Pradesh	SH. DANI SALU, Secretary, Arunachal Pradesh State Disaster Management Authority, Directorate of DM, Daying Ering Colony, Itanagar -791111,	9436040035 danisulu@gmail.com
3.	Bihar	SH. PRATYAY AMRIT (IAS), Additional Chief Secretary (DM) Govt. of Bihar, Sardar Patel Bhawan, C-Block, Nehru Path, Patna- 800023	secy-disastermgmt-bih@nic.in 0612 - 2294201
		SH. UDAY KANT MISHRA, Vice Chairman, Bihar State Disaster Management Authority, Sardar Patel Bhawan, 5th Floor, D & E Block, Nehru Path (Bailey Road), Patna, Bihar-800023	0612-2522032, 0612- 2215600 info@bsdma.org, secretary@bsdma.org
4.	Chhattisgarh	SH. AVINASH CHAMPAWAT, Secretary, Chhattisgarh : Revenue & Disaster Management Dept., S-1 - 13, Mahanadi Bhawan, Nawa Raipur, Atal Nagar, Chhattisgarh	0771 - 2510757 revenue.cg@nic.in
		SH. RAMESH KUMAR SHARMA, Special Secretary, Chhattisgarh Revenue and Disaster Management Department, S-1-30, 31, Mahanadi Bhawan, Nawa Raipur, Atal Nagar, Chhattisgarh	rameshdhardiwan@gmail.com 0771 - 2510928
5.	Gujarat	SH. ALOK KUMAR PANDEY, Commissioner of Relief and Secretary, Revenue Department, Govt. of Gujarat, Block No. 11, 8 th Floor, New Secretariat, Gandhinagar - 382010	79 - 23251509 cor-rev@gujarat.gov.in
		SH. ANUPAM ANAND, CEO, Gujarat State Disaster Management Authority, Block No. 11, 5 th Floor, Udyog Bhawan, Sector - 11, Gandhinagar - 382011 (Gujarat)	ceo-gsdma@gujarat.gov.in (O) 23259276 (M) 99784 07791

6.	Haryana	SH. ANURAG RASTOGI (IAS), Hon'ble Financial Commissioner Revenue & Additional Chief Secretary to Govt. of Haryana, Revenue and Disaster Management Department, Room No. 110, 1 st Floor, New Haryana Secretariat, Sector-17, Chandigarh - 160017 (Haryana)	0172-2711925 fcr@hry.nic.in
		SH. S. NARAYANAN (IFS), Secretary to Govt. of Haryana, Revenue and Disaster Management Department, 3rd Floor, New Haryana Secretariat, Sector-17, Chandigarh (Haryana)	0172-2711925 fcr@hry.nic.in
7.	Himachal Pradesh	SH. OMKAR CHAND SHARMA, Relief Commissioner & Principal Secretary Revenue (Revenue-OM), Govt. of Himachal Pradesh, Room No. A-501, 5 th Floor, Armsdale Building, Himachal Pradesh Secretariat, Shimla - 171002	0177 - 2622269 0177 - 2880737 revsecy-hp@nic.in
8.	Jharkhand	SH. RAJESH KUMAR SHARMA (IAS), Department of Home, Jail & Disaster Management, Govt. of Jharkhand, Jail Inspectorate TA Division Building PO and PS - Dhurwa, Ranchi - 834004 (Jharkhand)	0651 - 2400790 ig- prison@jharkhandmail.gov.in
9.	Karnataka	SMT. RASHMI V MAHESH (IAS), Principal Secretary to Govt., Revenue Department (Disaster Management, Bhoomi and UPOR), Room No. 627, 6th Floor, Gate - 1, M S Building, Dr. B.R. Ambedkar Veedhi, Bangalore - 560001 (Karnataka)	080-22251958 080-22251496 secyrelief- rev@karnataka.gov.in secy.dm@gmail.com
10.	Madhya Pradesh	SH. VIVEK KUMAR PORWAL, Principal Secretary, Madhya Pradesh Revenue Department, Ground Floor, Vallabh Bhawan - 2, Mantralaya, gg Arera Hills, Bhopal, Madhya Pradesh - 462011	0755 - 2708242 psrevenue@mp.gov.in
		SH. GAURAV RAJPUT, Secretary (Home), and Coordinator, Madhya Pradesh State Disaster Management Authority, Govt. of India, Paryavaran Parisar, E-5, Arera Colony, Bhopal - 462016	0755 - 2708062 secyhomep@mp.gov.in
11.	Maharashtra	DR. IQBAL SINGH CHAHAL, Additional Chief Secretary, Home Department, Govt. of Maharashtra, Room No. 535/201, Second Floor, Madam Cama Marg, Hutatma Rajguru Chowk, Mantralaya, Mumbai - 400032	acs.home@maharashtra.gov. n 022 - 22048130 (M) 8130977777
12.	Odisha	SH. DEORANJAN KUMAR SINGH (IAS), Special Relief Commissioner & Additional Chief Secretary, Govt. of Odisha, Ground Floor, Rajib Bhawan Unit-V, Bhubaneswar (Odisha)	0674 - 2534180 2536721 revsec.od@nic.in src.or@nic.in
		SH. PADMANAV BEHERA, OAS (SAG), Additional Special Relief Commissioner, Govt. of Odisha, Ground Floor, Rajib Bhawan Unit-V, Bhubaneswar	0674 - 2391601 / 2977 srcodishagov@gmail.com
13.	Punjab	SH. ANURAG VERMA (IAS), Additional Chief Secretary, Department of Revenue, Rehabilitation and Disaster Management, Govt. of Punjab, 2 nd Floor, Punjab Civil Secretariat - 1, Sector - 1, Chandigarh - 160017 (Punjab)	0172 - 2743854 (O) fcr@punjab.gov.in

14.	Rajasthan	SH. ANAND KUMAR, Additional Chief Secretary, Govt. of Rajasthan, Disaster Management, Relief & Civil Defence Department Food Building Secretariat, Jaipur (Rajasthan)	2227568, 9414055055 acs-home@rajasthan.gov.in
15.	Tamil Nadu	SH. V. MOHANACHANDRAN (IAS), Director (Disaster Management), Commissionerate of Revenue Administration & Disaster Management, Commissionerate of Revenue Administration Exhilagam, Chepauk, Chennai - 5 (Tamil Nadu) THIRU. RAJESH LAKHONI (IAS), Additional Chief Secretary, Commissioner of Revenue Administration & Disaster Management, Commissionerate of Revenue Administration Exhilagam, Chepauk, Chennai - 5 (Tamil Nadu)	044 - 28528745 (Direct No.) Extn : 239 tnsdma@tn.gov.in 044 - 28523299 Extn (201) com-ra@nic.in
16.	Telangana	SH. ARVIND KUMAR, Special Chief Secretary (Revenue and DM), Secretary, Telangana Secretariat, Govt. of Telangana, 4F- 39, Dr. B.R. Ambedkar Telangana Secretariat, Hyderabad, Telangana - 500022	040 - 23450923 23450779 commr-dm@telangana.gov.in
17.	Uttar Pradesh	LT GEN YOGENDRA DIMRI, PVSM, AVSM, VSM, (RETD), VC, Uttar Pradesh State Disaster Management Authority, Picup Bhawan, Pickup Bldg Rd, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow, UP - 226010 SH. BHANU CHANDRA GOSWAMI, Relief Commissioner, Govt. of Uttar Pradesh, 2 nd Floor, Shastri Bhawan, Lucknow-226001 (UP) SH. RAM KEWAL, Special Secretary, Office of Relief Commissioner, Govt. of Uttar Pradesh, Shastri Bhawan, Lucknow-226001	0522- 2306823 upsdma@gmail.com 0522-2238200, 2215011, 9454441070 rahat@nic.in 0522 - 2306823 8004441000, 9411006000 kewalr1@nic.in
18.	Uttarakhand	SH. VINOD KUMAR SUMAN, Secretary (DM), Uttarakhand State Disaster Management Authority, Govt. of Uttarakhand, 36, IT Park, Dehradun.	0135 - 2710334 usdmauttarakhand@gmail.com
19.	West Bengal	SR. DUSHYANT NARIALA (IAS), Principal Secretary, West Bengal Disaster Management & Civil Defence Department, Nabanna, HRBC Building Room No. 201, 2nd Floor, 325 Sarat Chatterjee Road, Howrah -711102 MS. PRIYANKA SINGLA (IAS), Special Secretary, Nabanna, HRBC Building Room No. 204, 2nd Floor, 325 Sarat Chatterjee Road, Howrah -711102 (West Bengal)	033-2214 4051/4052 (Nabanna), 033-2334 2286/2284 (Bikash Bhawan) micfes.dm.cd@gmail.com ibas2002@gmail.com secrelief@wb.gov.in 033-2250 1080 ss2.dmcd-wb@bangla.gov.in

20.	Delhi	DR. ASHISH CHANDRA VERMA (IAS), Principal Secretary (Revenue)- cum- Divisional Commissioner, Department of Revenue, Government of NCT of Delhi, 5, Sham Nath Marg, Prema Kunj, Civil Lines, Delhi - 110054 SH. SUSHIL SINGH, Special CEO, Disaster Management and Special Commissioner (F&S) Govt. of NCT Delhi, Delhi Disaster Management Authority, 5, Sham Nath Marg, Civil Lines, New Delhi-110054	23962825, 23914805 divcom@nic.in 23930611, 23928860 specialceo-dm@delhi.gov.in singh.sushil.gov.in
21.	J & K	SH. ARVIND KARWANI, Relief and Rehabilitation Commissioner for Migrants, Department of Disaster Management, Relief & Rehabilitation and Reconstruction, Room No: G-38, Govt. of Jammu & Kashmir - 190001 MR. CHANDRAKER BHARTI (IAS), Principal Secretary, Department of Disaster Management, Relief & Rehabilitation and Reconstruction, Civil Secretariat, Jammu/Srinagar	9086030301 0191-2586218 dmrrr-sec@jk.gov.in 0191-2545535, 2545725 (Jamu) 0194- 2506462, 2506418 (Srinagar), dmrrrsec@jk.gov.in, jksdma@gmail.com 0471-2517214 prl.secy.revenue@gmail.com
22.	Kerala	DR. A. JAYATHILAK (IAS), Principal Secretary, Revenue & Disaster Management, State Relief Commissioner & Convener, Kerala State Disaster Management Authority, Observatory Hills, Vikas Bhavan P.O, Thiruvananthapuram - 695033 DR. SEKHAR LUKOSE KURIAKOSE, Member Secretary, Kerala (ex-officio) & Head (Scientist), State Emergency Operations Centre, Observatory Hills, Vikas Bhavan P.O., Thiruvananthapuram - 695033	9400323122 keralasdma@gmail.com
23.	Goa	SH. SANDIP JACQUES (IAS), Secretary (Revenue) and Member Secretary - State Disaster Management Authority, Government of Goa, Secretariat, Porvrim, Bardez-403521	0832-2419439 0832-2419680 0832-2419620 secyrev.goa@gov.in

NDMA Advisory for heat wave 2025

(A) STATE LEVEL

- State Governments must update and customize their Heat Action plans (HAPs) as per NDMA's guidelines 2019, which can be accessed on NDMA website. (<https://ndma.gov.in/images/guidelines/heatwaveguidelines.pdf>).
- Heat wave Action Plan of the State may be circulated to all Collectors & HoDs of concerned line Departments with instructions for its implementation.
- Coordinate with all stakeholder departments and Non – Governmental organization involved in heat wave management, Local offices of IMD, Health and other sectors and disseminate warnings by using SMSes, WhatsApp and CAP Platform
- States must appoint a Nodal Officer at each level (State, District and Block levels) for communicating early warning and coordinating the implementation of HAP.
- State Government must review and monitor the heat wave situation through video conferencing with concerned line departments/districts/blocks.
- Mass gathering events may be allowed only if no severe heat wave warning is issued for the concerned districts / cities
- State Government must ensure shade and drinking water for traffic police personnel
- Coordinate with district administration on all aspects of heat wave management on regular basis.
- State should make adequate provision in the popular tourist / religious destinations.
- Coordinate with Election Commission for heat wave management during all phases of elections.

(i) Information and Public Relation Department

- Put up display digital boards with colour coding for heat wave alert at different locations.
- Widely publicise Do's & Don'ts for general awareness, preferably in regional language.

- Publish IEC print material (print material, radio jingles and TVs) in regional language.

(ii) Health Department

- Keep stock of ORS packets essential medicines, intravenous fluids, ice pack etc. at health centres and anganwadis.
- Special AC wards may be dedicated for addressing any heat wave related eventuality.
- Monitoring of early warning dissemination to the District hospitals, Primary Health Centre and Community health centres.
- Directions and training of health workers up to village level.
- Monitoring and reporting mortality and morbidity of deaths due to heat wave may be followed rigourously.
- In case, of a mass gathering nearby health facilities may be alerted & activated.

(iii) Urban Local Bodies/ Panchayati Raj Institutions

- Setting up special shelters for MGNREGA workers, construction workers and rescheduling their working hours in association with Rural Development and Labour & Employment departments,
- Arranging drinking water facility in heat wave affected areas/localities.
- Arrange shades in the parks, bus stands, tourist spots and open areas.
- Undisrupted supply of water in all the areas especially in informal settlements.

(iv) Labour Department

- Trainings with Construction/ industries/ commercial entities regarding heat wave related illnesses.
- Advisory on timing of work may be issued to avoid peak heat wave hours.
- Health camps in collaboration with the health departments especially in informal sectors & settlements,
- Drinking water facilities in all the working premises for the labourers.

(v) Agriculture Sector and Animal Husbandry Department

- Awareness to ensure minimum crop damage due to heat by ensuring cold storage facilities and prompt movement in the Mandis/ markets for public procurement.
- Awareness on the impacts of heat on animals and coping mechanisms
- Veterinary medicines and shelters with drinking water for animals

(vi) Education Sector

- School timings should be re-scheduled to avoid peak heat/ midday. Schools may start early and close before noon.
- Setting up of drinking water stations kiosks/ shades at all schools & educational institutions
- Outdoor physical activities need to be avoided.

(B) DISTRICT LEVEL

- Undertake awareness campaign to inform and educate the public on Heat wave Do's & Don'ts.
- Hold regular Press conferences on the risks and dangers of heat related illnesses
- Activate "cooling centres such as in public buildings, malls, religious places etc.,
- Urge NGOs, community groups and individuals to open drinking water/butter milk kiosks at public places during Heat Wave conditions.
- Urge power distribution / transmission companies to prioritise maintaining power supply to critical facilities such as hospitals and UHCs.
- Coordinate with District Election Officer for timing of the election voting time and all other required measures.
- Enforce changed timings of schools, colleges, institutions etc., as and when required locally

Public Health Advisory: Extreme Heat/Heatwave

Do's

For general population

Stay hydrated:

- Drink sufficient water whenever possible, even if you are not thirsty. Thirst is not a good indicator of dehydration.
- Carry drinking water when traveling
- Use Oral Rehydration Solution (ORS), and consume homemade drinks like lemon water, butter milk/lassi, fruit juices with some added salt.
- Eat seasonal fruits and vegetables with high water content like water melon, musk melon, orange, grapes, pineapple, cucumber, lettuce or other locally available fruits and vegetables.

Stay covered:

- Wear thin loose, cotton garments preferably light coloured
- Cover your head: use umbrella, hat, cap, towel and other traditional head gears during exposure to direct sunlight
- Wear shoes or chappals while going out in sun

Stay alert:

- Listen to Radio; watch TV; read Newspaper for local weather news. Get the latest update of weather on India Meteorological Department (IMD) website at <https://mausam.imd.gov.in/>

Stay indoors/in shade as much as possible:

- In well ventilated and cool places
- Block direct sunlight and heat waves: Keep windows and curtains closed during the day, especially on the sunny side of your house. Open them up at night to let cooler air in.
- If going outdoor, limit your outdoor activity to cooler times of the day i.e., morning and evening
- Reschedule or plan outdoor activities during cooler parts of the day.

For vulnerable population

Although anyone at any time can suffer from the heat stress & heat-related illness, some people are at greater risk than others and should be given additional attention.

These include:

- Infants and young children
- Pregnant women
- Physically ill, especially with heart disease or high blood pressure
- Travelers from colder climate to a hot climate should allow one week's time for their bodies to acclimatized to heat, avoid overexertion, and should drink plenty of water. Acclimatization is achieved by gradual increase (over 10-15 days) in exposure/physical activity in hot environment
- People working outdoors
- People who have a mental illness

Other precautions

- Elderly or sick people living alone should be supervised and their health monitored on a daily basis.
- Keep your home cool, use curtains, shutters or sunshade and open windows at night.
- Try to remain on lower floors during the day.
- Use fan, spray bottles, damp cloths, ice towels to cool down body.
- Immersing feet in 20°C water above ankle provides rapid cooling by reducing dehydration and thermal discomfort.



National Programme
on Climate Change
and Human Health

Don'ts

- Avoid getting out in the sun, especially between 12:00 noon and 03:00 pm
- Avoid strenuous activities when outside in the afternoon
- Do not go out barefoot
- Avoid cooking during peak summer hours. Open doors and windows to ventilate cooking area adequately
- Avoid alcohol, tea, coffee and carbonated soft drinks or drinks with large amount of sugar- as these actually, lead to loss of more body fluid or may cause stomach cramps
- Avoid high-protein food and do not eat stale food
- Do not leave children or pets in parked vehicle. Temperature inside a vehicle could get dangerous.

For Employers and workers

- Provide cool drinking water at work place and remind them to drink a cup of water every 20 minutes or more frequently to stay hydrated
- Caution workers to avoid direct sunlight
- Provide shaded work area for workers. Temporary shelter can be created at work site.
- Schedule strenuous and outdoor jobs to cooler times of the day i.e., morning and evening hours
- Increase the frequency and length of rest breaks for outdoor activities- at least every 5 minutes after 1 hour of labour work
- Listen to Radio; watch TV; read Newspaper for local weather news and act accordingly. Get the latest update of weather on India Meteorological Department (IMD) website at <https://mausam.imd.gov.in/>
- Assign additional workers or slow down the pace of work
- Make sure everyone is properly acclimatized: it takes weeks to acclimatize to a hotter climate. Do not work for more than three hours in one day for the first five days of work. Gradually increase the amount and time of work.
- Train workers to recognize factors which may increase the risk of developing a heat related illness and the signs and symptoms of heat stress and start a "buddy system" since people are not likely to notice their own symptoms
- Trained First Aid providers should be available and an emergency response plan should be in place in the event of a heat-related illness.
- Pregnant workers and workers with a medical condition or those taking certain medications should discuss with their physicians about working in the heat.
- If working outdoors wear light-coloured clothing preferably long sleeve shirt and pants, and cover the head to prevent exposure to direct sunlight.
- Organize awareness campaigns for employees
- Install temperature and forecast display at the workplace.
- Distribute informational pamphlets and organize training for employers and workers regarding health impacts of extreme heat and recommendations to protect themselves during high temperatures.

Precautions During Mass gathering/Sport event

- Outdoor/indoor crowded situations increase risk of acute heat-related illnesses (HRI) even in absence of active heatwave alerts in the area.
- Physical exertion, direct sun exposure, overcrowding, and difficult access to water, food and shade may worsen health in vulnerable groups.
- Attendees should stay hydrated, cool, be aware of HRI signs, symptoms and seek medical care.

Health Impact of Heat: Heat-Related Illnesses

- Normal human body temperature ranges between 36.4°C to 37.2°C (97.5°F to 98.9°F)
- Exposure to high outdoor and/ indoor temperatures can induce heat stress, directly and indirectly, leading to heat-related illnesses
- Heat-related illnesses include (from mild to severe)—**heat rash** (prickly heat), **heat oedema** (swelling of hands, feet and ankles), **heat cramps** (muscle cramps), **heat tetany**, **heat syncope** (fainting), **heat exhaustion**, and **heat stroke**.
- Heat stress may also exacerbate chronic diseases like cardiovascular, respiratory, kidney diseases
 - Watch out for symptoms of heat stress, which include:*
 - dizziness or fainting;
 - nausea or vomiting;
 - headache
 - extreme thirst
 - decreased urination with unusually dark yellow urine
 - rapid breathing and heartbeat

Heat-related illnesses are preventable

If you or others feel unwell and experience any of above symptoms during extreme heat,

- Immediately move to a cool place and drink liquids. **Water is best.**
- Get help/medical attention
- Measure your body temperature

If you experience **painful muscular spasms** (particularly in the legs, arms or abdomen, in many cases after sustained exercise during very hot weather),

- Rest immediately in a cool place, and drink oral rehydration solutions containing electrolytes
- Medical attention is needed if heat cramps last more than one hour

Heatstroke is a medical emergency!

Be aware of **Danger signs** & seek immediate medical attention if you observe

In adults	In children
• Altered mental sensorium with disorientation, confusion and agitation, irritability, ataxia, seizure or coma • Hot, red and dry skin • Core body temperature $\geq 40^{\circ}\text{C}$ or 104°F • Throbbing headache • Anxiety, Dizziness, fainting and light headedness • Muscle weakness or cramps • Nausea and vomiting • Rapid heartbeat/Rapid, shallow breathing	• Refusal to feed • Excessive irritability • Decreased urine output • Dry oral mucosa & absence of tear/sunken eyes • Lethargy/altered sensorium • Seizures • Bleeding from any site

Call 108/102 immediately
if you find someone with
high body temperature and is either
unconscious, confused, or
has stopped sweating

Cool the person right away, while waiting, by:

- moving them to a cool place, if you can;
- applying cold water to large areas of the skin or clothing; and
- fanning the person as much as possible



National Programme
on Climate Change
and Human Health

**National Centre for Disease Control
Directorate Health Services
Ministry of Health and Family Welfare
22-Sham Nath Marg, Civil Lines, New Delhi**

Advisory for State Health Departments for Summer 2025

The country may observe above-normal seasonal maximum temperatures in line with the observed trend of increased global temperatures. To reduce the health impacts of extreme heat, health departments must ensure preparedness and timely response.

State Nodal Officers under the National Programme for Climate Change and Human Health (NPCCHH) to ensure the following activities:

1. Dissemination of the following guidelines to all districts:

- National Action Plan on Heat Related Illnesses, MoHFW
- Strengthening Health Systems Preparedness for Heat Related Illnesses (HRI) in India
- Emergency Cooling for Severe Heat-Related Illnesses
- Autopsy Findings in Heat Related Deaths

2. Implement Heat-Health Action Plan, a chapter of the State Action Plan on Climate Change and Human Health (SAPCCHH) at the State level

- Support implementation of District-specific and City-level heat-health action plans for focused preparedness and response.

3. Meeting with State and District Task Force on Climate Change and Human Health

- Organize a task force meeting for implementation of the heat-health action plan at State/District levels, to ensure health facility and ambulance preparedness and their strategic deployment.
- Monitor and utilize daily surveillance data for coordinated preparedness and response planning.
- Utilize local civil registration systems to understand patterns of temperature-related mortality for local early warning thresholds and for focused preparedness.
- Consider the strategic establishment of public cooling and drinking water facilities to prevent heat stress.
- The health sector heat action plan shall be updated in SAPCCHH and a copy of this may be sent to the State Disaster Management Authority (SDMA) or Relief Commissioner Department for incorporation in the State Action Plan on Heat Wave.

4. Reporting under Heat-Related Illness and Death Surveillance

- Ensure daily submission of data on heatstroke cases and deaths, emergency attendance and total deaths from **March 01, 2025**, on the IHIP portal under the **National Programme on Climate Change and Human Health** at <https://ihip.mohfw.gov.in/npcchh>.

- Submit data from health facilities, PHC, and above, using P-form level credentials. The updated data collection form focuses on patient-level information to create line lists with essential demographic, clinical, and exposure information.
- Ensure routine monitoring of data to ensure data quality. A 5-day correction window is provided for health facilities to correct their reports.
- Use clinical criteria to categorize heat-related deaths. A support tool, Checklist criteria to label heat stroke or HRI Deaths in clinical setting is enclosed. Undertake **"Investigation of Suspected Heat-Related Illness Death"** by a medical officer/epidemiologist for suspected heat-related illness deaths that cannot be assessed clinically (details in National Action Plan on Heat-Related Illnesses, MoHFW) to understand circumstances around the suspected HRI death.
- Ensure timely verification, investigation and response to reports of heat-related mortality clustering and provide incident reports.

5. **Dissemination of early warning:** of heat waves issued by the India Meteorological Department (IMD) daily after 1600 hours IST with a forecast for next four days should be disseminated to health facilities and vulnerable populations.

6. **Issue health advisories and plan IEC activities** to make the public aware of the precautions taken to safeguard against extreme heat by engaging frontline workers, print, and visual media. IEC material on heat health for general and vulnerable populations prepared by NCDC is available at <https://ncdc.mohfw.gov.in/centre-for-environmental-occupational-health-climate-change-health/>. If needed, it can be used as a template to prepare IEC at the state level after being translated into a regional language.

7. **Sensitization and capacity building** of medical officers and health care staff of health facilities on HRI symptoms, case identification, clinical management, emergency cooling, and surveillance reporting. Community health workers should be trained on public awareness measures, personal cooling measures, HRI identification, first aid, referral, and reporting. Training manuals for Nodal Officers, Medical Officers, Community Health Workers and Community published by NPCCH should be utilized for the training.

8. **Health facility preparedness for prevention and management of severe HRI**

- Procurement and supply of adequate quantities of ORS packs, essential medicines, IV fluids, ice packs, and equipment to support the management of volume depletion and electrolyte imbalance etc.
- Establish Heatstroke management units in secondary and tertiary level health care facilities. Ensure active, external cooling strategies that can be used for rapid and efficient cooling of patients at health facilities and field levels, develop internal protocols, and train health care staff. (NPCCHH PIP FY 24-25, 25-26 guidelines).
- Ambulance and primary care preparedness: Identify/procure resources at primary health facilities and for ambulances to ensure on-site emergency and rapid cooling of severe heat-related illness patients in line with Cool First, Transport Second strategy.
- Ensure the availability of sufficient drinking water at all health facilities.
- Ensure sufficient availability of general cooling appliances in waiting and patient treatment area and their functioning.

9. Fire safety in health facilities

Rising temperatures increase the risk of fire incidents in healthcare facilities. Most fire incidents result from short-circuits and electrical overloads

- Conduct regular fire risk assessments and inspections to identify vulnerable areas and to ensure functional firefighting systems.
- Fire prevention measures: Implement proper storage and handling of flammable materials. Conduct bi-annual electrical load audits, especially in high-demand areas like ICUs, to ensure power systems meet safety standards.
- Fire detection and suppression systems: Install and maintain smoke detectors, fire alarms, hydrants, and extinguishers in all hospital areas. Conduct monthly testing of alarms and detectors, ensuring batteries are replaced as needed.
- Staff training and emergency drills: Provide continuous training for staff on fire safety protocols, prevention, and evacuation procedures. Conduct bi-annual fire and evacuation drills to ensure preparedness.
- Emergency response plan: Establish and maintain an emergency response plan with SOPs for evacuating patients and staff. Ensure all staff members are familiar with emergency roles and responsibilities.

10. Health facility resiliency to extreme heat

- Coordinate with electricity distribution company/corporation for uninterrupted electricity supply to hospitals for constant functioning of cooling appliances.
- Adopt measures to reduce indoor heat and energy conservation in the health facilities like cool roof/green roof, window shading, rainwater harvesting, solarization etc.
- Provide shade outside the health facilities in heat-prone regions.

11. HRI-Focused Mass Gathering/Sporting Event Preparedness

While organizing mass gatherings or sporting events during summer, sufficient preparedness should be made to prevent and manage heat-related illnesses (HRI) by actively engaging health departments, other relevant departments, and local administration.

Event planning considerations

➤ Environmental heat

- Check heatwave forecasts, high humidity, and active heatwave warnings, consult the local IMD center
- Avoid days when active heatwave warnings and high humidity are expected
- Avoid planning outdoor events at the hottest time of day (12PM-3PM)

➤ Event ground amenities/infrastructure

- Plan assessment of event venue/ground with a medical team from local health facilities for setting up medical camps, cooling areas, water availability, and placement

➤ Safe, Drinking Water Provision

- Adequate and safe water supply and convenient access for all attendees must be arranged.

- Suggested amount of water required per person is 20 liters/day with 4 Liters for drinking.
 - For all-day events, water provision can be calculated based on following
 1. A minimum of 2 liters of free drinking water available/person or a rate calculated at 500ml/hour, whichever is the greater **and**
 2. One water outlet per 500 people.
 3. Water outlets should be reviewed and approved for safety, water quality, and hygiene.
 - Water quantity for emergency cooling/dousing/spraying should be considered separately.
- **Shade/shelter:** to reduce open exposure of attendees to the sun.
- **Cooling shelters:** Provision/ establishment of well, actively ventilated/cooled rooms/ misting areas.
- **Health promotion and risk communication**
 Ensure adequate arrangement for frequent communication in local language for the attending population, (in advance and during the event) through social media, on-site posters, video clips/announcements about measures e.g.
- avoiding dehydration/adequate water intake
 - wearing appropriate clothing, take protective measures like sunscreen, hat, umbrella
 - reducing the risk of heat-related illnesses
 - identifying primary symptoms of HRI, first-aid, and ways to contact first responders

Health sector preparedness

- Consider heat-related illnesses in health surveillance, medical management, and response planning
- Have a general understanding of possible vulnerable populations based on event type e.g. in mass sporting events exertional heatstroke may be observed, in pilgrimage-related mass gatherings classic heatstroke may be common.
- Prevent heat-related illness (HRIs) through the provision of ORS packs, essential medicines, IV fluids, icepacks, and equipments to support the management of volume depletion and electrolyte imbalance etc.
- Prioritize rapid assessment and rapid cooling of severe heat-related illnesses
- Designate a safe, accessible area for rapid whole-body cooling of heat exhaustion and heatstroke patients
- Identify suitable rapid cooling method based on access to water, shade, venue topography and access, procure equipments (rectal thermometer, ice boxes, ice cubes, cold water, tarp, ice coolers, fans, towels/sheets), and set up cooling area accordingly
- Ensure training of attending medical staff and relevant first responders in triage, rapid assessment, rapid cooling, medical record-keeping, referral, and surveillance
- Designate and inform nearest referral health facilities that can provide adequate HRI management and cooling facilities.

- Keeping ambulance with ice packs and cold water etc to transport serious patients to the nearest equipped health care facility.

During the event consideration

1. Ensure adequate air circulation, and avoid overcrowding pockets at the event site.
2. Identify and monitor the vulnerable population at the event with checkpoints at entry and within the event area; monitoring with the help of volunteers/cameras on site.
3. Uniformed medical aid teams with appropriate portable ice boxes, cold water, ORS packets should be mobilized in crowd.
4. Continue good public communication (in terms of broadcasts, posters) regarding the effects of heat and reminders to stay hydrated and cool.
5. Guide the public towards medical check posts, and nearest exits through a detailed map of event site and directions on display
6. Proper management and documentation of all patients treated for HRI and their follow-up after first aid administration.
7. Report heatstroke cases and deaths in Heat-Related Illness and Death surveillance under NPCCHH
8. Keep effective communication between the healthcare team and event stakeholders.

Resources

1. Guidelines for preparation of action plan- prevention and management of heat wave, 2019. National Disaster Management Authority, Government of India. Available at: <https://ndma.gov.in/sites/default/files/PDF/Guidelines/heatwaveguidelines.pdf>
2. Ahmedabad heat action plan 2019. Guide to extreme heat planning in Ahmedabad, India. Ahmedabad Municipal Corporation. Available at: <https://www.nrdc.org/sites/default/files/ahmedabad-heat-action-plan-2018.pdf>
3. World Health Organization. Public Health Advice on Heatwave Available at: https://www.who.int/health-topics/heatwaves#tab=tab_1
4. Guidelines for fire and life safety in health care facilities <https://jipmer.edu.in/sites/default/files/Fire%20safety%20guidelines-Ministry%20of%20Health%20and%20Family%20Welfare.pdf>
5. Water quality at public events | NT.GOV.AU <https://nt.gov.au/industry/hospitality/public-events/water-public-events>
6. World Health Organization. Public health for mass gatherings: key considerations. 180 p. <https://www.who.int/publications/i/item/public-health-for-mass-gatherings-key-considerations>



भारत सरकार
Government of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
(एम. ओ. ई. एस.)
Ministry of Earth Sciences
(MoES)



भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

Outlook for the Seasonal Temperatures during the Hot Weather Season (March to May)
and Monthly Rainfall and Temperatures During March: 2025

Highlights

- During the upcoming hot weather season (March to May (MAM)), above-normal maximum temperatures are most likely over most parts of the country, except over southern parts of Peninsular India, and isolated pockets of Northeast India where normal to below-normal maximum temperatures are likely.
- During the season (MAM), above-normal minimum temperatures are likely over most parts of the country except some isolated southernmost regions of Peninsular India where normal minimum temperatures are likely.
- Monthly maximum temperatures for March 2025 are likely to be above normal over most parts of India, except over some southernmost parts of Peninsular India, where below normal maximum temperatures are likely.
- During March 2025, above normal monthly minimum temperatures are likely over most parts of the country except some parts of Northwest India and South Peninsula, where normal minimum temperatures are most likely.
- During March to May season 2025, above-normal number of heatwave days are likely over most parts of the country except over Northeast India, extreme north India and southwestern and southern parts of Peninsular India
- During March, 2025, above-normal heatwave days are likely over most parts of central India and adjoining northern parts of South Peninsula and some areas of northwest and east India..
- The rainfall during March 2025 averaged over the country as whole is most likely to be normal (83-117% of LPA). Above-normal rainfall is likely over parts of Peninsular India and neighbouring regions of south of central India, while normal to below-normal rainfall is likely in the rest of the country.

Outlook for the Seasonal Temperatures during the Hot Weather Season (March to May) and Monthly Rainfall and Temperatures During March: 2025

1. Background

Since 2016, the India Meteorological Department (IMD), Ministry of Earth Sciences (MoES) has been issuing seasonal forecast outlooks for temperatures over the country for both the hot and cold weather seasons. IMD also continuously works to improve the skill of forecasting models. The current strategy is based on the newly developed Multi-Model Ensemble (MME) based forecasting system. The MME approach uses the coupled global climate models (CGCMs) from different global climate prediction and research centers including IMD/MoES Monsoon Mission Climate Forecast System (MMCFS) model. IMD has now prepared seasonal and monthly temperature forecast outlooks over the country for the upcoming hot weather season (March to May 2025) and for March 2025. The same are presented below in the sections 2(a) and 2(b) respectively.

Heat Wave over a location refers to a prolonged period of excessively hot weather (above certain threshold temperature value) over the location. The heatwave outlook for the hot weather season (MAM) and for March 2025 over the country is presented in section 3.

The monthly outlook for rainfall and temperatures for March 2025 are presented in section 4.

2. (a) Seasonal Temperature Outlook for March to May (MAM) 2025

Fig.1a and Fig.1b show the probabilistic forecast of the maximum and minimum temperatures respectively for March to May (MAM) 2025 season. The probability forecast for maximum temperatures (Fig.1a) indicates that above-normal maximum temperatures are most likely over most parts of the country, except over southern parts of Peninsular India, and isolated pockets of Northeast India where normal to below-normal maximum temperatures are most likely. The probability forecast for minimum temperatures (Fig.1b) indicates that during the season (MAM), above-normal minimum temperatures are likely over most parts of the country except some isolated southernmost regions of Peninsular India where normal minimum temperatures are likely..

2. (b) Monthly Temperature Outlook for March 2025

Fig.2a and Fig.2b show forecast probabilities of the maximum and minimum temperatures respectively for March 2025. During March 2025, monthly maximum temperatures are likely to be above normal over most parts of India, except over some southernmost parts of Peninsular India, where below normal maximum temperatures are likely. (Fig. 2a).

During March 2025, above normal monthly minimum temperatures are likely over most parts of the country except some parts of Northwest India and South Peninsula, where normal minimum temperatures are most likely. (Fig.2b).

3. Heat Wave outlook for the Hot Weather Season (March to May) and for the Month of March 2025

The anomaly (deviation from normal) forecast for the number of heatwave days in the country for March to May 2025 is shown in Fig. 3a. During March to May season 2025, above-normal number of heatwave days are likely over most parts of the country except over Northeast India, extreme north India and southwestern and southern parts of Peninsular India

The anomaly forecast for the number of heatwave days in the country for March 2025 is shown in Fig. 3b. During March, 2025, above-normal heatwave days are likely over most parts of central India and adjoining northern parts of South Peninsula, many areas of south Peninsular India and, some areas of northwest and east India..

Heatwaves pose significant risks to vulnerable populations, including the elderly, children, and those with pre-existing health conditions, leading to heatstroke, dehydration, and strain on infrastructure. Authorities are crucial in providing cooling centers and issuing timely heat advisories. To facilitate the public, IMD provides comprehensive early warning systems, including detailed heatwave forecasts, risk assessments, and location-specific alerts. These warnings are readily accessible through the IMD website, dedicated mobile applications, and public broadcast channels. Citizens are strongly encouraged to utilize these resources to proactively take personal precautions, such as staying hydrated, avoiding peak sun hours, and seeking cool environments, thereby minimizing the adverse health impacts of heatwaves.

4. Monthly Rainfall outlook for March 2025

The rainfall during March 2025 averaged over the country is most likely to be normal (83-117% of LPA). The LPA of rainfall over the country during March based on data from 1971 to 2020 is about 29.9 mm.

The probabilistic forecast for the spatial distribution of tercile rainfall categories (above normal, normal, and below normal) over the country for March 2025 is shown in Fig.4. The forecast suggests that above-normal rainfall is likely over most parts of Peninsular India and neighbouring regions of south of central India, while normal to below-normal rainfall is likely in the rest of the country. . The dotted areas in the map climatologically receive very less rainfall during March and the white-shaded areas within the land areas represent climatological probabilities.

5. SST Conditions over the Pacific and the Indian Oceans

Currently, weak La Niña conditions are prevailing over the equatorial Pacific, and the sea surface temperatures (SSTs) are cooler than normal over most of the equatorial Pacific Ocean. The latest MMCFS forecast indicates that La Niña conditions are likely to weaken during the upcoming season and turn to neutral ENSO conditions thereafter.

At present, neutral Indian Ocean Dipole (IOD) conditions persist over the Indian Ocean, and the latest MMCFS forecast indicates a continuation of these neutral IOD conditions during the upcoming season.

6. Extended Range Forecast and short to medium-range forecasting services

IMD also provides extended range forecasts (7-day averaged forecasts for the next four weeks) of rainfall and maximum and minimum temperatures over the country updated every week on Thursday. This is based on the Multi-model ensemble dynamical Extended Range Forecasting System currently operational at IMD. The extended range forecasts are available through the IMD website https://mausam.imd.gov.in/imd_latest/contents/extendedrangeforecast.php.

The extended range forecast is followed by a short to medium range forecast issued daily by IMD. The forecasts are available through the IMD website https://nwp.imd.gov.in/qfsproducts_cycle00_mausam.php

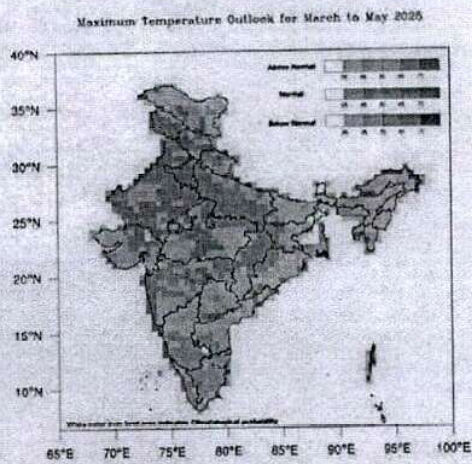


Fig.1a. Probability forecast of Maximum Temperature for March to May 2025.

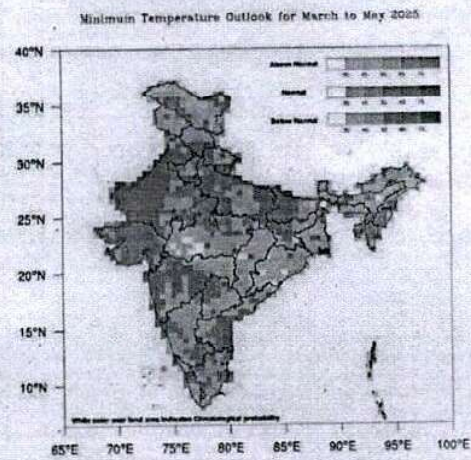


Fig.1b. Probability forecast of Minimum Temperature for March to May 2025.

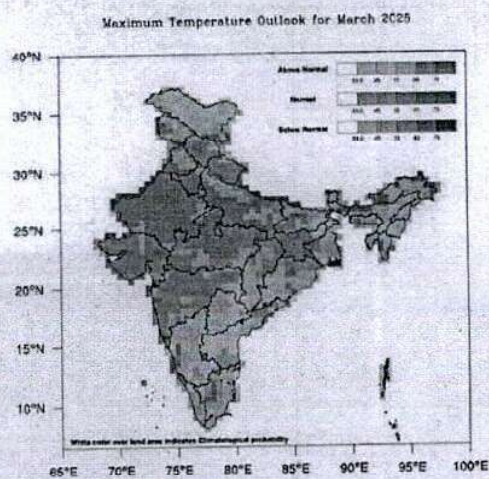


Fig.2a. Probability forecast of Maximum Temperature for March 2025.

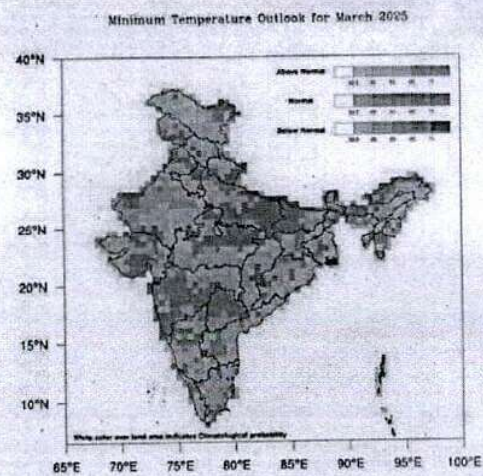


Fig2b. Probability forecast of Minimum Temperature for March 2025.

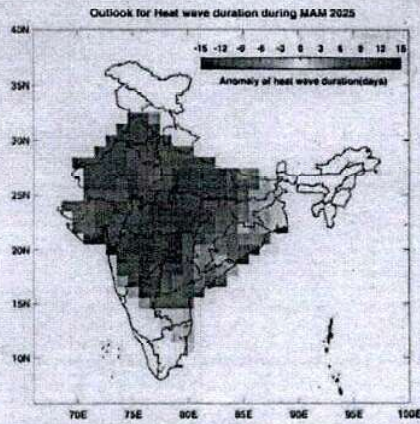


Fig3a. Probability forecast of heatwave events for the season March to May 2025.

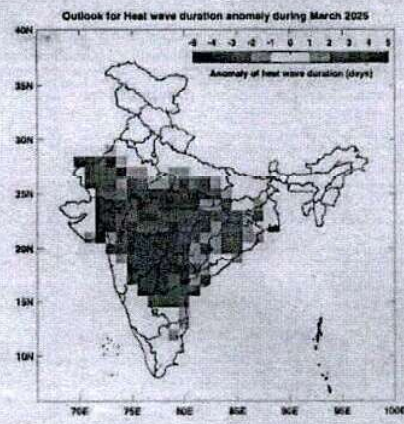


Fig3b. Probability forecast of heatwave events for March 2025.

probability rainfall forecast for 2025 March

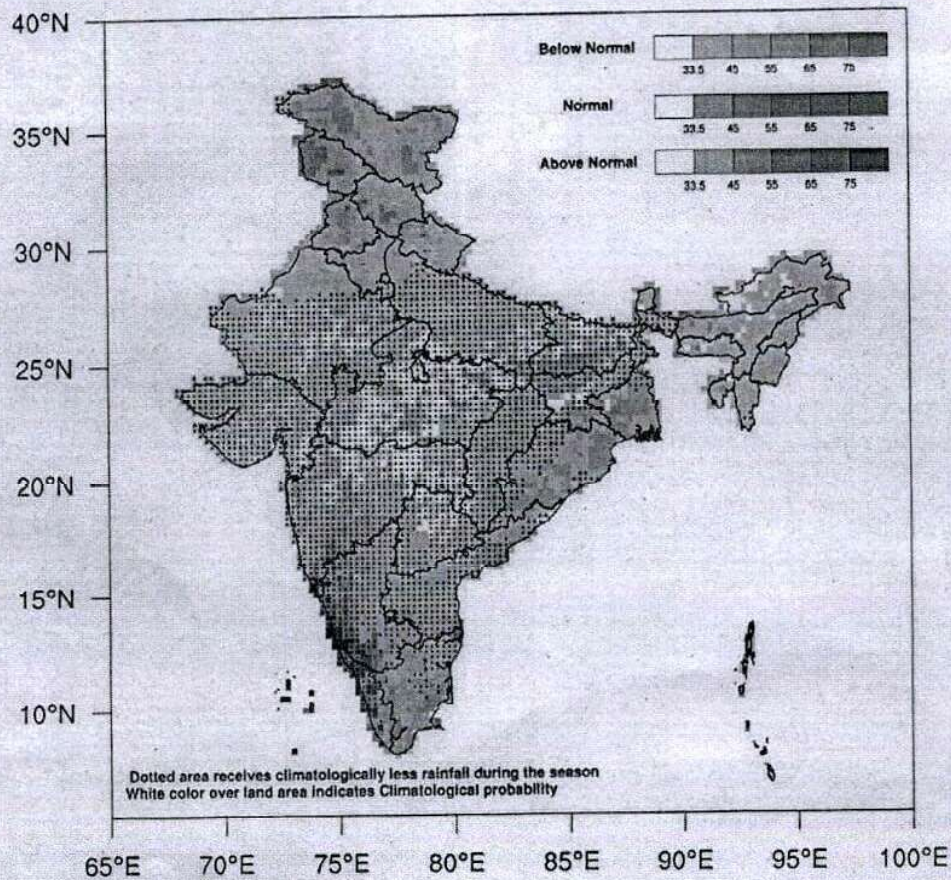


Fig.4. Probability forecast of tercile categories* (below normal, normal, and above normal) for the rainfall over India during March 2025. The figure illustrates the most likely categories as well as their probabilities. The dotted area shown in the map climatologically receives very less rainfall and the white-shaded areas within the land areas represent climatological probabilities. (*Tercile categories have equal climatological probabilities, of 33.33% each).

सहायता

28-03-25

राजस्थान सरकार
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग

एफ 14(1) आ0प्र0एवंसहा./लू-ताप/2025/

दिनांक, जयपुर

समस्त संभागीय आयुक्त,
समस्त जिला कलक्टरर्स,
राजस्थान।

विषय:- Advisory/IEC for Heat wave 2025 के क्रम में।

संदर्भ:- एनडीएमए का पत्रांक 116517 दिनांक 19.03.2025 के क्रम में।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत एवं संदर्भित पत्र के क्रम में निवेदन है राज्य में हाल के वर्षों में गर्मी में बढ़ोत्तरी हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने गर्म मौसम के लिए तापमान और वर्षा पर मार्च से मई 2025 का मौसमी आकूटलुक जारी किया गया है।

राज्यों में वर्ष 2025 में हीट वेव की स्थिति के प्रभावी शमन और प्रबंधन के लिए लू-ताप के बचाव से आमजन के राहत हेतु भारत एवं राज्य सरकार द्वारा "गर्मी/लू-ताप की लहर (क्या करें और क्या न करें)" एडवायजरी 2025 व IEC जारी की गई है।

अतः आपसे निवेदन है कि उक्त एडवायजरी हीट वेव-2025 "गर्मी/लू-ताप की लहर (क्या करें और क्या न करें)" का आमजन में प्रचार प्रसार करें ताकि प्रदेश में लू-ताप से जन हानि ना हो। इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही कर विभाग को अवगत करवाने का श्रम करावें।

संलग्न:- उपरोक्तानुसार।

भवदीय

(भगवत सिंह)
संयुक्त शासन सचिव

निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

1. निजी सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, आपदा प्रबंधन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग, जयपुर।
2. Ms. Mrinalini Shrivastava, National Disaster Management Authority, NDMA Bhawan, A-1, Safdarjung Enclave, New Delhi- 110029



Signature Not Verified



Digitally signed by Bhagwat Singh
Designation: Joint Secretary To
Government
Date: 2025.03.28 11:16:39 IST
Reason: Approved



मृणालिनी श्रीवास्तव, भारतीय पुलिस सेवा
निदेशक
Mrinalini Shrivastava, IPS
Director



सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
गृह मंत्रालय, भारत सरकार
एन.डी.एम.ए. भवन

ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110 029
National Disaster Management Authority
Ministry of Home Affairs Government of India
NDMA Bhawan

A-1, Safdarjung Enclave, New Delhi - 110029

दूरभाष / Tel. : +9111 26701709

ई-मेल / E-mail : director-g20@ndma.gov.in

Dated : 19 March, 2025

D.O. No.1-105/2023-PP(E-116517)

Su/madam,

As you are aware, frequency of heatwaves has increased in the recent years and extreme heat poses an unprecedented challenge to health and productivity of vulnerable populations. For the current year, India Meteorological Department (IMD) has issued the seasonal outlook on temperature and Heatwave for Hot weather Season during March to May 2025. The seasonal outlook indicates above normal maximum & minimum temperatures and number of heatwave days. Most likely over most parts of the country. The seasonal outlook March to May 2025 is enclosed (**Annexure-I**).

2. IMD is issuing two daily bulletins at 8:30 AM and 04:30 PM including with seven days forecast & warning at National level. Similarly, extended range forecast warning is also issued on weekly basis on Thursday applicable for the upcoming two weeks. The States are requested to follow these bulletins for appropriate actions with regard to heatwave preparedness.

3. To enable the states for better heat wave preparedness in 2025, you are requested to ensure implementation of the Advisory (annexed at **Annexure-II**). You are also requested to refer to the detailed Guidelines issued by NDMA in 2019 for preparing Heatwave action plan available on the web-site link www.ndma.gov.in. The IEC material available on Heat- Wave preparedness and Do's and Don'ts at NDMA website may also be downloaded and widely disseminated.

4. The National Action Plan on Heat Related Illnesses, Public Health Advisory, Do's and Don'ts and the training Manual developed by National Centre for Disease Control (NCDC) as indicated in the letter of Secretary, Ministry of Health and Family Welfare dated 13.03.2025 may also be made use of for better preparedness and mitigation on human health related issues (**Annexure-III**).

5. Your personal attention is requested in the matter to have effective Heatwave management in your respective State/Union Territory. In addition to above, NDMA

Contd.../

राजस्थान सरकार
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग

गर्मी/ लू-ताप की लहर (क्या करें और क्या ना करें)

क्या करे (Do's)

सभी के लिए :

- रेडियों सुने/ टी वी देखें/ स्थानीय मौसम की जानकारी के लिए समाचार पत्र पढ़ें या संबंधित मोबाईल ऐप डाउनलोड करें।
- पर्याप्त पानी पिये - अपने आप को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर के बने पेय जैसे लस्सी, निबू का पानी, छाछ आदि का सेवन करें।
- हल्के रंग के, ढीले, सूती कपड़े पहनें।
- यदि कहीं बाहर है, तो अपना सिर ढकें -कपड़े, टोपी या छतरी का उपयोग करें। आंखों की सुरक्षा के लिए धूप के चश्मे का प्रयोग करें और त्वचा की सुरक्षा के लिए सनस्क्रीन लगायें।
- प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षण लें।

नियोक्ता और श्रमिक

- कार्य स्थल पर ठंडे पेयजल का प्रबंध करें।
- सभी श्रमिकों के लिए आराम के लिए छाया, साफ पानी, छाछ, आइस-पैक के साथ प्राथमिक चिकित्सा किट और ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) का प्रबंध रखें।
- श्रमिकों के लिए सीधी धूप से बचने के लिए कहें।
- श्रमसाध्य कार्यों को दिन के कम ताप वाले समय में ही करें।

- बाहरी गतिविधियों के दौरान विश्राम करने की आवृत्ति और सीमा समय बढ़ाएं।
- श्रमिकों को लू से संबंधित चेतावनी के बारे में सूचित करें।
- जिन श्रमिकों के लिए गर्मी वाले क्षेत्र नए हैं, उन्हें हल्का काम और कम घंटों का काम दें।

अन्य सावधानियां

- बंद वाहन में बच्चों या पालतू जानवरों को कभी अकेला ना छोड़ें।
- पंखें और नम कपड़ों का प्रयोग करें, ठंडे पानी में स्नान करें।
- सार्वजनिक परिवहन और कार-पूलिंग का उपयोग करें। यह भूमण्डलिय ऊष्मीकरण और गर्मी को कम करने में मदद करेगा।
- पेड़ लगायें। सूखी पत्तियों, कृषि अवशेषों और कचरे को न जलाएं।
- जल स्रोतों का संरक्षण करें। वर्षों के जल को संचयित करें।
- ऊर्जा -कुशल उपकरणों, स्वच्छ ईंधन और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का उपयोग करें।
- अगर आपको चक्कर आ रहे हैं या आप अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं तो तुरन्त डॉक्टर के पास जायें या किसी को तुरन्त डॉक्टर के पास जाने के लिए कहें।

नया घर बनाते समय

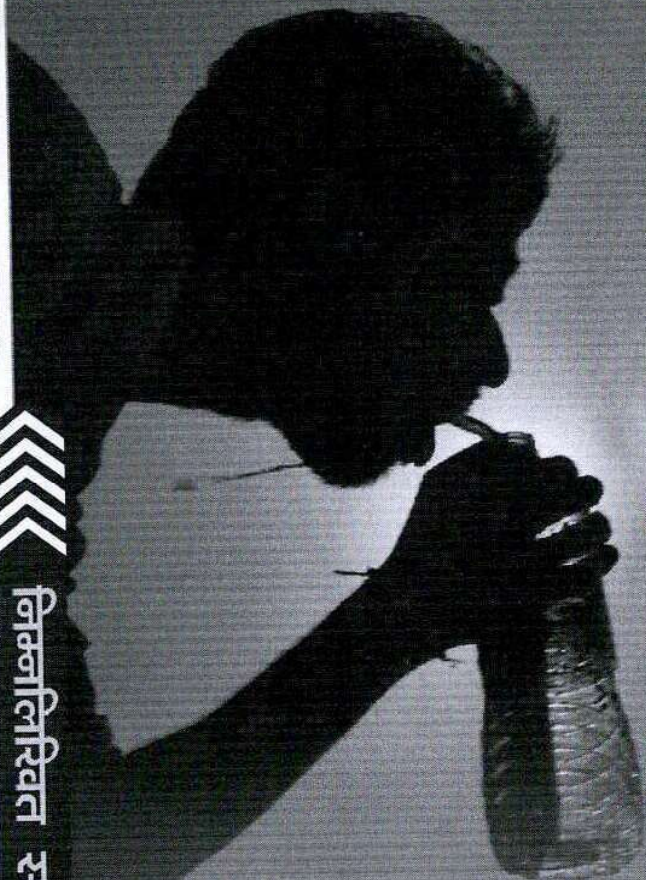
- नियमित दीवारों की बजाय कैंविटी तकनीक का उपयोग करें।
- चौड़ी दीवारें बनवाएं। वे घर को ठंडा रखती हैं।
- जालीदार दीवारें और लोब वाले उद्घाटनों का निर्माण करें। वे अधिकतम वायु-प्रवाह कर गर्मी को अवरुद्ध करते हैं।
- दीवारों को रंगने के लिए प्राकृतिक सामग्री जैसे चूने या मिट्टी का उपयोग करें।
- यदि संभव हो तो कांच के इस्तेमाल से बचे।
- निर्माण करने से पहले बिल्डिंग टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ से सलाह लें।

मवेशी के लिए

- पशुओं को छाया में रखें और उन्हें पीने के लिए पर्याप्त, स्वच्छ और ठंडा पानी दें।
- उनसे सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच काम न लें।
- शेड की छत को पुआल से ढक दें, तापमान कम करने के लिए इसे सफेद रंग/चूने से रंग दें या गोबर से लीप दें।
- लेड में पंखे, वाटर स्प्रे और फॉमर्स का प्रयोग करें।
- अत्यधिक गर्मी के दौरान, पानी का छिड़काव करें और मवेशियों को ठंडा करने के लिए एक जल निकाय पर ले जाएं।
- उन्हें हरी घास, प्रोटीन-वसा बाईपास पूरक, खनिज मिश्रण और नमक दें। कम गर्मी वाले घंटों के दौरान उन्हें चरने दें।

क्या न करें (Don't)

- धूप में बाहर जाने से बचे, खासकर दोपहर 12 और 3 बजे के बीच।
 - यदि दोपहर में बाहर हो, तो भारी कामों से बचे।
 - नंगे पांव बाहर न जायें।
 - दिन के सबसे गर्म समय के दौरान खाना पकाने से बचे। खाना पकाने वाले हिस्से को हवादार बनाए रखने के लिए दरवाजे और खिड़कियां खुली रखें।
 - शराब, चाय, कॉफी और कॉर्बोनेटेड शीतल पेय से बचें। वे शरीर को निर्जलित करते हैं।
 - अधिक प्रोटीन वाले भोजन से बचें। बासा भोजन ना करें।
 - पार्क किए गए वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोड़ें, वे गर्म हवा से प्रभावित हो सकते हैं।
 - ऐसे बल्बों का उपयोग करने से बचे जो अनावश्यक गर्मी उत्पन्न करते हैं, ठीक वैसे ही जैसे कि लगातार चलते हुए कम्प्यूटर या बिजली के उपकरण।
- लू से प्रभावित व्यक्ति के उपचार के लिए टिप्स :**
- तापमान को कम करने के लिए पीड़ित के सिर पर गीले कपड़े का उपयोग करें/पानी डालें।
 - व्यक्ति को ओआरएस/नीबू शरबत अथवा जो कुछ भी शरीर को पुनः सक्रिय करने के लिए उपयोगी हों, पीने के लिए दें।
 - व्यक्ति को तुरन्त नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र ले जायें।
 - यदि लगातार उच्च तापमान बना रहता है और सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी, मतली या भटकाव आदि के लक्षण स्पष्ट महसूस हो तो ऐसी स्थिति में टॉल फ्री नंबर 112, 108 पर कॉल करें।

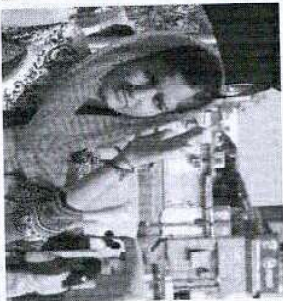


“तु”

**यानी तेज गर्मी
जानलेवा हो सकती है।**

जिक्जलिरिवत सावधानियां बरतें

- स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं – भले ही प्यास न लगी हो
- ओआरएस (ओरल सीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड़) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें।
- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
- जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
- बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं – उन्हें तू लगने का खतरा हो सकता है।





क्या आप “तू”

से बचाव के लिए तैयार हैं?

निम्नलिखित सावधानियां बरतें

- स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं- भले ही प्यास न लगी हो
- ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लरसी, तोरानी (चावल का मांड़) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर लोताजा रहें।
- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना स्त्रिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
- जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
- बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं - उन्हें लू लगाने का खतरा हो सकता है।





क्या आप घर से बाहर

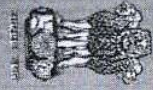
“कुतूहल”

में काम करते हैं?

निम्नलिखित सावधानियां बरतें

- स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें।
- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं — भले ही प्यास न लगी हो।
- ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लरसी, तोरानी (चावल का मांड) नीबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें।
- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना शिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
- नंगे पांव बाहर न जाएं।
- गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास रखें।
- काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें।
- पेड़ या छाया में ही आसरा लें।

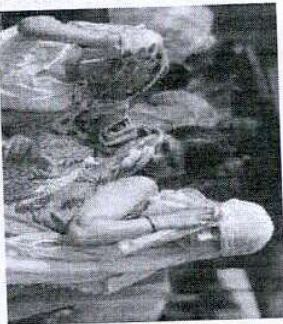




आप में जाने से बचने

निम्नलिखित सावधानियां बरतें

- स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं — भले ही घ्रास न लगी हो
- ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैरो तरस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर लें ताज़ा रहें।
- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
- जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
- बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं — उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।



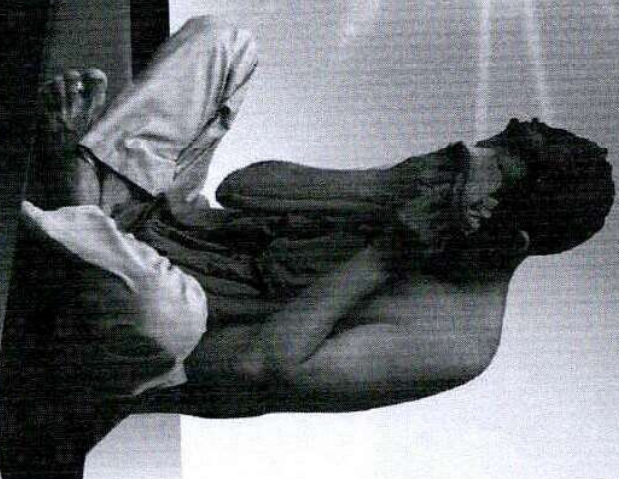


आप में जाने से बचें

निम्नलिखित सावधानियां बरतें

- स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं — भले ही प्यास न लगी हो
- ओआरएस (ओरल सीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (बावल का मांड़) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें।
- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
- जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
- बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं — उन्हें ठू लपने का खतरा हो सकता है।

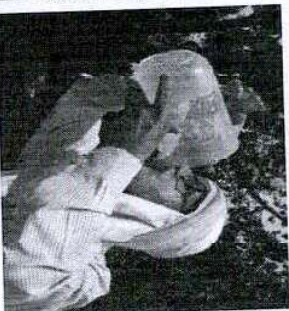


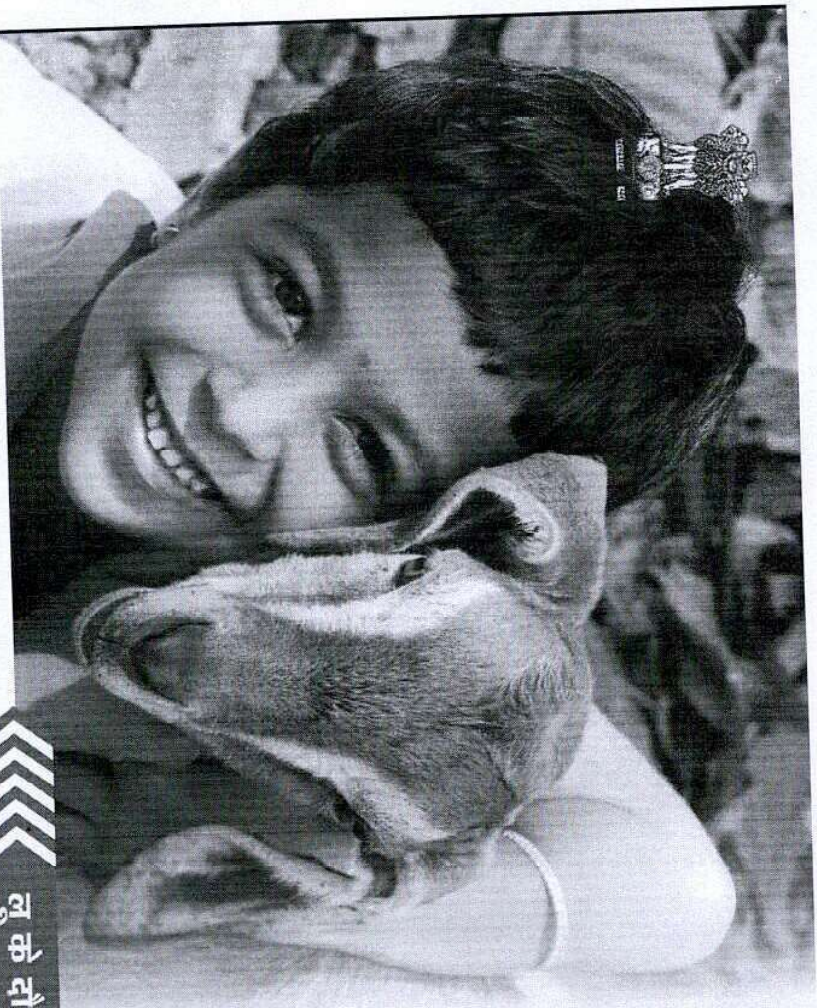


दोपहर धें शारीरिक मेहनत वाले काम से बचने

निम्नलिखित सावधानियां बरनें

- स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं — भले ही प्यास न लगी हो
- ओआरएस (ओरल सीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड़) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें।
- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
- जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
- बच्चों अथवा पालतू जानवरों को बाहनों में छोड़कर न जाएं — उन्हें ठूँ लगने का खतरा हो सकता है।

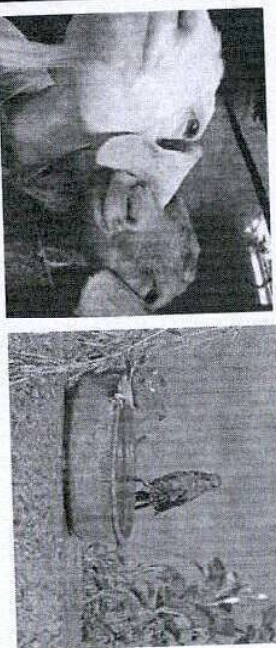




अपने जानवरों को “जो” से बचाएं

लू के दौरान पालतू जानवरों के लिए सावधानियां

- जहां तक संभव हो, तेज गर्मी के दौरान उन्हें घर के भीतर रखें
- यदि उन्हें घर के भीतर रखा जाना संभव न हो तो उन्हें किसी छायादार स्थान में रखें, जहां वे आराम कर सकें। ध्यान रखें कि जहां उन्हें रखा हो वहां दिनभर छाया रहें।
- जानवरों को किसी बंद जगह में न रखें, क्योंकि गर्म मौसम में इन्हें जल्दी गर्मी लगने लगती है।
- ध्यान रखें कि आपके जानवर पूरी तरह साफ हों, उन्हें ताजा पीने का पानी दें, पानी को धूप में न रखें। दिन के समय उनके पानी में बर्फ के टुकड़े डालें।
- पीने के पानी के दो बाउल रखें ताकि एक में पानी खरम होने पर दूसरे से वे पानी पी सकें।
- अपने पालतू जानवर का खाना धूप में न रखें।
- यदि आपके पास कुत्ता है तो उसे गर्मी में न टहलाएं। उसे सुबह और शाम को घुमाएं जब मौसम में ठंडा हो।
- कुत्ते को गर्म सतह (पट्टरी, तारकोल की सड़क, गर्म रेत) पर न चलाएं।
- किसी भी स्थिति में जानवर को वाहन में न छोड़ें।

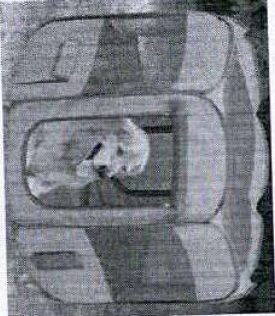
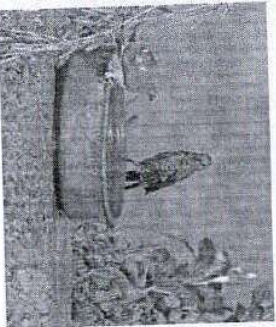
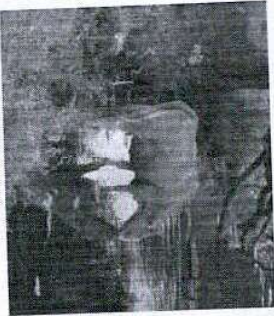
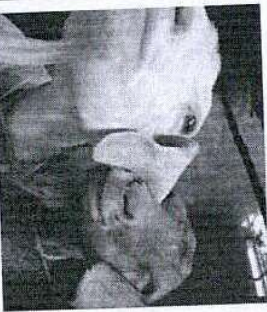




अपने जानवरों को “जो” से बचाएं

लू के दौरान पालतू जानवरों के लिए सावधानियां

- जहां तक संभव हो, तेज गर्मी के दौरान उन्हें घर के भीतर रखें
- यदि उन्हें घर के भीतर रखा जाना संभव न हो तो उन्हें किसी छायादार स्थान में रखें, जहां वे आराम कर सकें। ध्यान रखें कि जहां उन्हें रखा हो वहां दिनभर छाया रहे।
- जानवरों को किसी बंद में न रखें, क्योंकि गर्म मौसम में इन्हें जल्दी गर्मी लगने लगती है।
- ध्यान रखें कि आपके जानवर पूरी तरह साफ हों, उन्हें ताजा पीने का पानी दें, पानी को धूप में न रखें। दिन के समय उनके पानी में बर्फ के टुकड़े डालें।
- पीने के पानी के दो बाउल रखें ताकि एक में पानी खत्म होने पर दूसरे से वे पानी पी सकें।
- अपने पालतू जानवर का खाना धूप में न रखें।
- यदि आपके पास कुत्ता है तो उसे गर्मी में न टहलाएं। उसे सुबह और शाम को घुमाएं जब मौसम में ठंडा हो।
- कुत्ते को गर्म सतह (पट्टरी, तारकोल की सड़क, गर्म रेत) पर न चलाएं।
- किसी भी स्थिति में जानवर को वाहन में न छोड़ें।

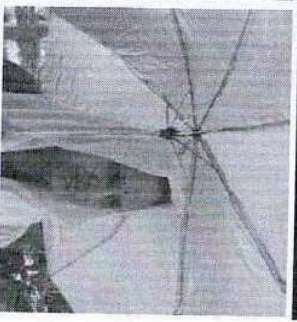




बढ़ती उम्र में बृद्ध एवं कमजोर व्यक्तियों की कठे रवारा देखभाल

निम्नलिखित सावधानियां बरतें

- तेज गर्मी, खासतौर से जब वे अकेले हों, तो कम से कम दिन में दो बार उनकी जांच करें।
- ध्यान रहे कि उनके पास फोन हो।
- यदि वे गर्मी से बैवनी महसूस कर रहे हों तो उन्हें टंडक देने का प्रयास करें।
- उनके शरीर को गीला रखें, उन्हें नहलाएं अथवा उनकी गर्दन तथा बगलों में गीला तौलिया रखें।
- उनके शरीर को टंडक देने के साथ साथ डॉक्टर अथवा एम्बुलेंस को बुलाएं।
- उन्हें अपने पास हमेशा पानी की बोतल रखने के लिए कहें।



आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग

Toll Free No. - 112/1070

<https://dmrrelief.rajasthan.gov.in>





शिशुओं को

“लूटो”
से बचाएं

बच्चों के लिए सावधानियाँ

- उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी पिलाएं।
- शिशुओं में गर्मी की वजह से होने वाली बीमारियों का पता लगाना सीखें।
- यदि बच्चे के पेशाब का रंग गहरा है तो इसका मतलब है कि वह डीहाईड्रेशन (पानी की कमी) का शिकार है।
- बच्चों को बिना देखरेख खड़ी गाड़ी में छोड़ कर न जाएं, वाहन जल्दी गर्म होकर खतरनाक तापमान पैदा कर सकते हैं।

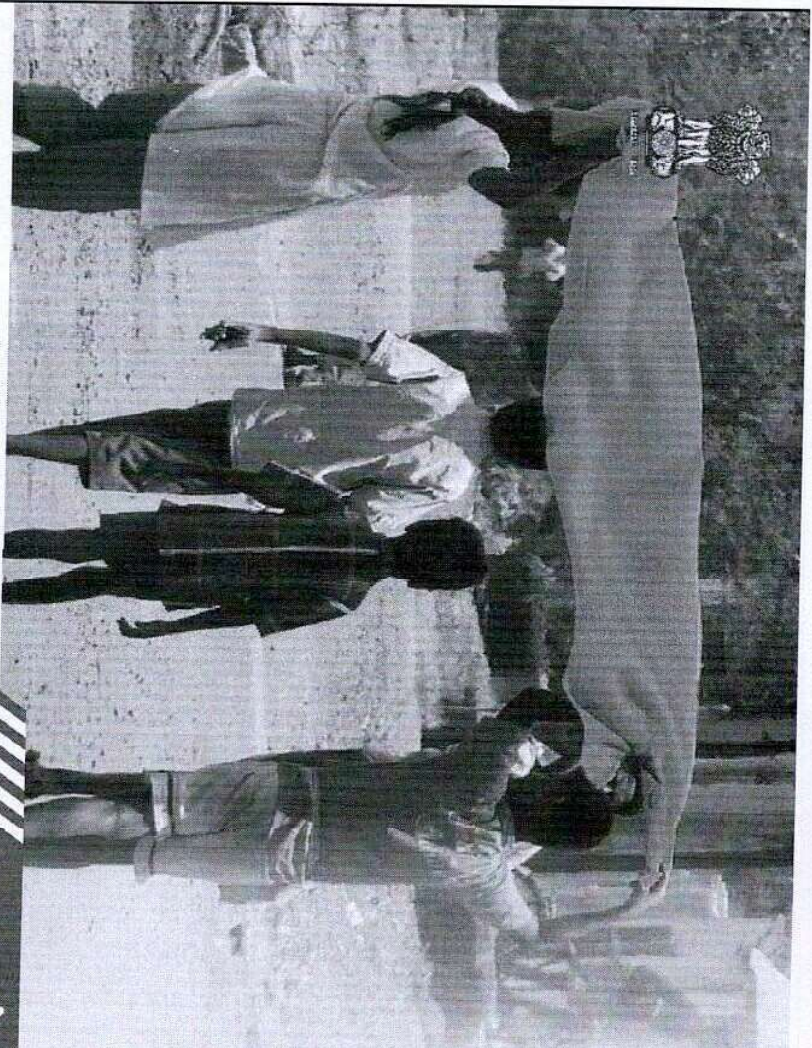


आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग

Toll Free No. - 112/1070

<https://dmrelief.raiaasthan.gov.in>





अपने बच्चों को तेज़

“ता” से बचाएं

बच्चों के लिए सावधानियाँ

- हमेशा अपने साथ पानी की बोतल रखें। नींबू पानी / छाछ / नारियल पानी / ताजे फलों के रस का नियमित रूप से सेवन करें।
- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
- गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन न करें। ताजे फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं।
- ख़ासतौर से दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे के बीच धूप में सीधे न जाएं। शाम के समय खेलें।
- यदि बच्चे को चक्कर आएँ, उल्टी, घबराहट अथवा तेज़ सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो रही हो तो उसे डॉक्टर को दिखाएं।



कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बालोतरा

क्रमांक/लूतापघात/2025/1131

दिनांक- 10.04.2025

प्रेषित:

खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी
समस्त जिला बालोतरा।

विषय :- लू ताप घात से सम्बन्धित गतिविधियों की पालना बाबत।

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि लू ताप घात से सम्बन्धित समस्त गतिविधियों को संचालित करने हेतु आप सभी खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी को नोडल अधिकारी मनोनित किया जाता है। आपके खण्ड के अन्तर्गत आने वाले समस्त चिकित्सा संस्थानों पर समस्त प्रकार की लू ताप घात में उपयोग में आने वाली दवाईयों पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहे लू ताप घात हेतु सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर बंद आरक्षित रहे एक लू ताप घात की आपात स्थिति से निपटने हेतु वार्ड में पर्याप्त मात्रा मात्रा में कूलर पंखे कार्यरत अवस्था में हो एवं आईस बॉक्स में आईस, स्वच्छ एवं ठंडा पीने योग्य पानी पर्याप्त मात्रा उपलब्ध हो साथ ही उप स्वास्थ्य केन्द्र स्तर एवं आशा स्तर तक लू ताप घात में उपयोग में आने वाली दवाईयों एवं सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहे। आपके खण्ड में लू ताप घात से सम्बन्धित कोई भी आपदा घटित होती है, इस हेतु आप घटित होने वाली आपदा का समूचित उपचार सुनिश्चित करेंगे ताकि लू ताप, घात की आपात स्थिति से निपटा जा सके एवं उच्चाधिकारियों को इस सम्बन्ध में समय रहते सूचित करेंगे।

इस कार्य में किसी प्रकार की कोताही स्वीकार्य नहीं है। इस कार्य में लापरवाही होने पर आपको व्यक्तिशः दोषी मानवाधिकार्याही की जाती।

(डॉ. वांकाराम चौधरी)

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
बालोतरा

दिनांक- 10.04.2025

क्रमांक/लूतापघात/2025/1132

प्रतिलिपि :

1. श्रीमान निजी सचिव अति मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग राज. जयपुर।
2. श्रीमान निर्देशक (जन.स्वा.) निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाये राज, जयपुर।
3. श्रीमान अति निदेशक (ग्रा.स्वा.) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें राज. जयपुर।
4. श्रीमान संयुक्त निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, जोन जोधपुर।
5. कार्यालय प्रति।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
बालोतरा

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बालोतरा

क्रमांक/सामान्य/2025/1069

दिनांक:-04.04.2025

प्रेषित :-

समस्त प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, जिला-बालोतरा।

समस्त खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला-बालोतरा।

समस्त चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जिला-बालोतरा।

विषय:- लू-तापघात, मौसमी एवं जलजनित बीमारियों की प्रभावी रोकथाम एवं नियन्त्रण के संबंध में।

संदर्भ:-श्रीमान संयुक्त निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, जोन-जोधपुर का पत्र क्रमांक:/2025/760-70 दिनांक 02.04.2025

श्रीमान संयुक्त निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, जोन-जोधपुर का पत्र क्रमांक:/2025/760-70 दिनांक 02.04.2025 के द्वारा पड़ रही भीषण गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए बालोतरा जिले में लू-तापघात एवं अन्य मौसमी बीमारियों इत्यादि की प्रभावी रोकथाम एवं नियन्त्रण हेतु निम्नानुसार प्रभावी कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।-

- गर्मी जनित बीमारियों की रोकथाम एवं रोगियों को समुचित उपचार उपलब्ध करवाने की प्रत्येक चिकित्सा संस्थान पर पुख्ता व्यवस्था।
- चिकित्सा संस्थानों में लू-तापघात (Heat Wave) के दौरान प्रभावित रोगियों के लिए बनाये गये वाडों में ए.सी., डेजर्ट कुलर और बर्फ की व्यवस्था बनायी रखी जायें।
- मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए पीने योग्य शीतल पेयजल हेतु आर.ओ. अथवा वैकल्पिक व्यवस्था तौर पर शीतल जल के लिये पानी के केम्पर तथा बैठने हेतु पर्याप्त छाया की व्यवस्था बनायी रखी जायें।
- जल जनित बीमारियों की रोकथाम बाबत जलदाय विभाग, स्वायत्तशासी संस्था, ग्राम पंचायत आदि से समन्वय स्थापित कर आवश्यक आवश्यक कार्य योजना बनाकर उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।
- आई.ई.सी. के माध्यम से जिले में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार द्वारा आमजन को मौसमी बीमारियों, लू-तापघात, जलजनित बीमारियों इत्यादि से बचाव एवं रोग के उपचार के संबंध में उन्हें शिक्षित/जागृत करें।
- दूषित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक हेतु निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करें।
- दूषित जल एवं खाद्य पदार्थों की जाँच हेतु नमूनीकरण तथा जलशुद्धिकरण की प्रभावी व्यवस्था को सुनिश्चित करें।
- लू-तापघात के रोगियों के समुचित उपचार की प्रत्येक चिकित्सा संस्था पर सुनिश्चित करें।
- जिले के समस्त जल स्रोतों का क्लोरिनेशन करवायें।
- आवश्यक दवाईयों, ब्लिचिंग पाउडर आदि का पर्याप्त भण्डारण सुनिश्चित करें।
- जिले में मौसमी बीमारियों की स्थिति का जायजा लेकर आवश्यक कार्रवाई करें।

Signature valid

Digitally signed by Vande Ram

Choudhary

Designation : Chief Medical And Health

Officer

Date: 2025.04.04 14:17 IST

Reason: Approved

- सामुहिक भोज, शादी समारोह एवं अन्य समारोह में खाद्य पदार्थों एवं पेयजल के नमूने जाँच हेतु लेना सुनिश्चित करें ।
 - लू-तापघात, मौसमी बीमारी जैसे: हैजा, उल्टी दस्त, पीलिया, आन्त्रशोथ, अन्य मौसमी बीमारियों के रोगियों की सतर्कता से निगरानी रखते हुए यथावत उपचार की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करना ।
 - रेपिड रेस्पॉन्स टीम का गठन व नियंत्रण कक्षों को सुदृढ़ करें ।
 - सभी आईस फैक्ट्रीयों, होटलों, ढाबों, सार्वजनिक स्थानों (धर्मशालाओं, रेलवे स्टेशन, सिनेमाघरों) के पानी की जांच करना, खाद्य पदार्थों का नमूनीकरण करना व पेयजन स्रोतों का क्लोरिनेशन करवाना ।
 - मौसमी बीमारियों की साप्ताहिक मॉनिटरिंग, रोकथाम की गतिविधियों का मूल्यांकन तथा दवाई व ब्लीचिंग पाउडर की उपलब्धता आवश्यकतानुसार सुनिश्चित करना ।
 - पेयजल आपूर्ति किये जाने वाली पाईप लाईनों की जांच कर लीकेज पाईप लाईनों की मरम्मत हेतु PHED विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्य योजना बनाकर उसकी प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित करें ।
- कृपया इस संबंध में किसी भी स्तर पर शिथिलता अथवा उदासीनता नहीं बरती जावे ।

(डॉ. वाकाराम चौधरी)
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,
बलोतरा
दिनांक:-04.04.2025

क्रमांक/सामान्य/2025/1069

प्रतिलिपि :- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु :-

01. श्रीमान निदेशक (जन.स्वा) चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएं, राजस्थान जयपुर ।
02. श्रीमान अतिरिक्त निदेशक (ग्रामीण स्वास्थ्य) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, राज.जयपुर ।
03. श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय बालोतरा ।
04. श्रीमान संयुक्त निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, जोन-जोधपुर ।
05. उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, (स्वास्थ्य) बालोतरा ।
06. प्रभारी, खाद्य-अनुभाग कार्यालय हाजा को निर्देश दिये जाते हैं, आप से सम्बन्धित बिन्दुओं की पालना करना सुनिश्चित करें ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,
बालोतरा

Signature valid

Digitally signed by Vankar Ram
Choudhary
Designation : Chief Medical And Health
Officer
Date: 2025.04.04 12:14:17 IST
Reason: Approved



राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला परिषद बाड़मेर
अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला —बालोतरा

EMAIL ID :- aceobalotra@gmail.com

Phone No. 02988-294314

क्रमांक :- जिपबा/पंचा/2025/

दिनांक :- यथा ई-हस्ताक्षर

-:: हीटवेव व ग्रीष्म अवधि के मध्यनजर सामान्य निर्देश :-

श्रीमान जिला कलक्टर महोदय, बालोतरा द्वारा दिनांक 09.04.2025 को वी.सी के माध्यम से हीटवेव व ग्रीष्म अवधि के मध्यनजर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। अतः निर्देशित किया जाता है कि हीटवेव व ग्रीष्म अवधि को देखते हुए निम्न निर्देशों की पालना सुनिश्चित करें।

1. आपके ब्लॉक/ग्राम पंचायतों में ग्रामीण परिवेश के लोगों का दैनिक दिनचर्या के कार्यों हेतु आना-जाना होता है। इसके मध्यनजर समस्त ग्राम विकास अधिकारियों को निर्देशित किया जावे कि ग्राम पंचायत में शीतल पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जावे साथ ही लू-तापघात के मध्यनजर एक ओआरएस का काउन्टर भी लगाया जाए व साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जावे कि परिवादी व अन्य व्यक्ति धूप में खड़े नहीं हो इस हेतु पृथक से टीनशेड व छायादार स्थान का प्रबंध किया जावे।
2. हीटवेव के मध्यनजर ब्लॉक स्तर पर नियंत्रण कक्ष की स्थापना की जाये व इस हेतु कार्मिकों की चक्रानुक्रम में इयूटी के आदेश विकास अधिकारीगण समस्त स्वयं के स्तर से जारी करावे। एवं नियंत्रण कक्ष आदेश की प्रति इस कार्यालय को भिजवाए हुए आदेश सार्वजनिक किया जाये।
3. प्रतिदिन कार्यालय समय में आमजन से मिलने का निश्चित समय प्रातः 10:00 बजे से 11:00 बजे रखा जावें, तथा बाकी समय भी सुविधानुसार आमजन की परिवेदनाएं प्राप्त कर राहत प्रदान करते निस्तारण किया जावे।
4. इसके कसाथ ही कार्यालय के प्रवेश द्वार पर अत्यधिक लू-तापघात को देखते हुए ओआरएस काउन्टर भी लगाया जाए।
5. जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के चिन्हित टाईप सी के गांवों का विकास अधिकारी समस्त स्वयं अपने-अपने क्षेत्र का भ्रमण करते हुए प्रतिदिन फोटे जिला स्तरीय ग्रुप में भिजवाते हुए आगामी तीन दिवस में अधोहस्ताक्षकर्ता को गांवों की वस्तुस्थिति से अवगत करावे।
6. महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत प्रत्येक कार्यस्थल पर पर्याप्त छाया/पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जावें।
7. हीटवेव व लू-तापघात से बचाव की जानकारी आई.ई.सी गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों तक पहुंचाने की व्यवस्था करावे साथ ही इसके लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगणों से आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जावे।



राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला परिषद बाड़मेर
अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला - बालोतरा

EMAIL ID :- aceobalotra@gmail.com

Phone No. 02988-294314

8. ग्रामीण क्षेत्रों में पक्षियों के परिण्डे बंधवाए/लगवाये जाकर पानी से भरने की व्यवस्था करावे एवं पशुओं के लिए खेलियों में पानी की व्यवस्था क्षेत्र के भामाशाहों से आवश्यक सहयोग प्राप्त कर सुनिश्चित की जावे। इसके प्रोत्साहन हेतु ब्लॉक/ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान संचालित किया जावे।
9. जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर ग्राम पंचायतों में आपूर्ति किये गये पानी टेकरों की सूचना प्रतिदिन समस्त ग्राम पंचायतों से प्राप्त कर संकलित सूचना प्रतिदिन साय: 05:00 बजे तक श्री रामावतार गुर्जर, प्रगति प्रसार अधिकारी को भिजवाने हेतु संबंधित कार्मिक को पाबंद करवाते हुए आप स्वयं भी पर्यवेक्षण सुनिश्चित करें।
10. हीटवेव से क्षेत्र में आगजनी जैसी समस्याओं से तुरंत निपटने हेतु नजदीकी फायरब्रिगेड के नंबर सार्वजनिक स्थलों पर चस्पा किये गये जावे एवं प्रचार-प्रसार किया जावे साथ ही आकस्मिक आगजनी जैसी आपातकालीन घटना की सूचना मिलने पर त्वरित रूप से कार्यवाही करते हुए उपखण्ड स्तरीय प्रशासन को सूचित करते हुए आवश्यक कार्यवाही की जावे। साथ ही अधोहस्ताक्षकर्ता को भी तत्काल अवगत करावे।
11. इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में संचालित श्री अन्नपूर्णा रसोई में दैनिक रूप से भोजन करने वाले लोगों हेतु छायादार टेंट की व्यवस्था की जायें।

अन्य आवश्यक निर्देश :-

1. जिला स्तरीय जन सुनवाई एवं सीएमओ से प्राप्त प्रकरणों को प्राथमिकता से तीन दिवस के भीतर-भीतर निस्तारण सुनिश्चित करावें।
2. सम्पर्क पोर्टल पर प्रकरणों के निस्तारण में संन्तुष्टी का स्तर बढ़ाये जाने हेतु आवश्यक प्रसाय सुनिश्चित किये जावे।
3. रास्ता खोलो अभियान के लिए नियमानुसार संसाधन उपलब्ध करवाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जावे।
4. महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत पिछले 5 वर्षों निर्मित ग्रेवल सड़को की सूची संबंधित तहसीलदार को तत्काल उपलब्ध करवाते हुए एक प्रति इस कार्यालय को भिजवाया जाना सुनिश्चित करावे।

(भुवनेश्वर सिंह चौहान)
अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी
जिला - बालोतरा



राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला परिषद बाड़मेर
अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला - बालोतरा

EMAIL ID :- aceobalotra@gmail.com

Phone No. 02988-294314

क्रमांक :- जिपबा/पंचा/2025/

दिनांक :- यथा ई-हस्ताक्षर

प्रतिलिपी :- सूचनार्थ एवं आवेक कार्यवाही हेतु

1. श्रीमान जिला कलक्टर महोदय, बालोतरा।
2. श्रीमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी महोदय, जिला परिषद बाड़मेर।
3. उपखण्ड अधिकारी समस्त, जिला बालोतरा।
4. विकास अधिकारी, पंचायत समिति समस्त, जिला बालोतरा को पालनार्थ।
5. प्रशासक (सरपंच)/ग्राम विकास अधिकारी, समस्त जिला बालोतरा।
6. रक्षित पत्रावली।

अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी
जिला - बालोतरा

Document certified by Bhuvaneshwar Singh
Chauhan <aceozp.dun2019@gmail.com>.

Digitally Signed by BHUVANESHWAR
SINGH CHAUHAN
Designation : Additional Chief
Executive Officer
Date : 10-04-2025 04:26:11